mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-154 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
05 जून 2026 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

टीसीएस के बाद विप्रो में धर्मांतरण का आरोप

पीड़ित बोली: कर्मचारी ने इस्लाम अपनाने, मुस्लिम से संबंध बनाने को कहा, शिकायत की तो इस्तीफा लिया

पुणे,एजेंसी। पुणे की एक महिला ने विप्रो टेक्नोलॉजीज कंपनी पर धार्मिक उत्पीड़न, कार्यस्थल पर भेदभाव और जबरन इस्तीफा दिलाने के आरोप लगाए हैं। महिला पहले इस कंपनी में काम करती थी। ये आरोप पुणे में हिंदू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए गए।

इस दौरान पूर्व कर्मचारी ने उन घटनाओं के बारे में बताया, जो उसके साथ उस समय हुई थीं जब वह हिंजवडी ऑफिस में काम करती थी।

इसके बाद पुणे के हिंजवडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पूर्व कर्मचारी के वकील ने बताया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भी भेजा गया है। उन्होंने 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है।

पीड़ित महिला ने कहा: अगस्त 2025 में कंपनी की एक टीम मीटिंग में बुलाया गया था। इस दौरान मुझ पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया गया। मुझे अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया और इस्तीफा ले लिया गया।

महिला बोली- ऑफिस में इस्लाम अपनाने का दबाव दिया जाता था पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि उसकी एक महिला सहकर्मी कई बार उस पर इस्लाम अपनाने और एक मुस्लिम पुरुष के साथ संबंध बनाने का दबाव डालती थी। उसका कहना है कि सहकर्मी बार-बार उसकी निजी जिंदगी में दखल देती थी और उसे हिंदू धर्म छोड़ने के लिए कहती थी। महिला के अनुसार, सहकर्मी कहती थी कि ऐसा करने से उसकी जिंदगी बेहतर हो जाएगी और उसे विदेश जाने के अवसर मिलेंगे।

पंजाब के 5 मंदिरों को उड़ाने की धमकी

इनमें दुर्ग्याणा, काली माता, देवी तलाब मंदिर भी; लिखा- संत भिंडरावाले की शहादत पर लड्डू बांटे थे

मोहाली,एजेंसी। पंजाब के 5 मंदिरों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसमें दुर्ग्याणा मंदिर, मुक्तेश्वर मंदिर, देवी तलाब मंदिर, माइसरखाना मंदिर, काली देवी मंदिर का नाम शामिल है। ईमेल में लिखा- दोपहर 1:11 से 3:11 बजे के बीच धमाके होंगे। 6 जून 1984 को गोल्डन टेंपल पर हुए अटैक बदला लेंगे।

इसके अलावा चंडीगढ़ स्थित पंजाब सचिवालय को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। गुरुवार को सचिवालय के कंट्रोल रूम को एक ई-मेल मिला, जिसमें परिसर में बम होने का दावा किया गया था। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं।

सचिवालय और मंदिरों के आसपास के इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन शुरुआती जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। वहीं, पुलिस और साइबर सेल की टीमें धमकी भरे ई-मेल की जांच में जुटी हैं। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ई-मेल किस आईडी से भेजा गया और इसके पीछे कौन लोग हैं।

समुद्र में बढ़ेगी भारत की ताकत, नेवी में शामिल होंगे 4 स्वदेशी युद्धपोत और एक सर्वे शिप

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय नौसेना इस महीने अपने बेड़े में पांच स्वदेशी हथियार को शामिल करने की तैयारी कर रही है। इनमें दो प्रोजेक्ट 17ए स्टील्थ फ्रिगेट, सर्वेक्षण पोत और दो पनडुब्बी रोधी युद्धक विमान शामिल हैं। मेड इन इंडिया के तहत बने ये जहाज समुद्री सुरक्षा, युद्ध तत्परता और तटीय रक्षा को काफी मजबूत करेंगे।

ये इंडक्शन परिशोधित नौसैनिक ताकत को देश के भीतर ही डिजाइन और निर्माण करने की भारत की बढ़ती क्षमता को दर्शाते हैं, जिससे विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम होगी। नौसेना में शामिल होने वाले पांच प्लेटफॉर्मों में से चार का निर्माण गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा किया गया है। वहीं पांचवां जहाज, आईएनएस महेंद्रगिरि, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया है।

औपचारिक रूप से चालू होने के बाद, स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस महेंद्रगिरि, सर्वेक्षण पोत संशोधक और एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट अग्रय और मालवन नौसेना को उन्नत स्टील्थ, बेहतर पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताएं और उन्नत महासागर निगरानी प्रदान करेंगे।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ेगी क्षमता

आईएनएस दूनागिरी जीआरएसई द्वारा निर्मित प्रोजेक्ट 17ए स्टील्थ फ्रिगेट है। यह युद्धपोत आधुनिक सेंसर, परिष्कृत हथियार प्रणालियों और नेटवर्क-केंद्रित युद्ध सुविधाओं से लैस है। आईएनएस महेंद्रगिरि भी इसी श्रेणी का दूसरा प्रोजेक्ट 17ए स्टील्थ फ्रिगेट है।

दोनों युद्धपोत स्वदेशी युद्धपोतों की एक नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनका उद्देश्य भारत की समुद्री शक्ति को बढ़ाना, युद्धक पहुंच बढ़ाना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ब्लू-वाटर क्षमताओं का विस्तार करना है। ये दोनों ही पोत सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल, बराक-8 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, शुरुआती खतरे का पता लगाने और ट्रैकिंग के लिए शक्तिशाली एमएफ-स्टार एईएसए रडार, और आधुनिक टॉरपीडो ट्यूब एवं रॉकेट लॉन्चरों से लैस होंगे।

बिहार के मुजफ्फरपुर में हॉस्पिटल में आग, 5 की मौत

● खिड़की-दरवाजे तोड़कर मरीजों का रेस्यू ● हादसे पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने साधी चुप्पी

मुजफ्फरपुर,एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक प्राइवेट अस्पताल के ICU में आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 20 से ज्यादा लोग झुलस गए। हादसा बुधवार रात करीब 3 बजे हुआ। आग शॉर्ट सर्किट से लगी। इसके बाद ICU में लगे एसी में ब्लास्ट हुआ। इसकी वजह से आग तेजी से फैली। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड अस्पताल पहुंची और आग पर काबू पाया। लोगों ने मौके से स्टाफ के गायब होने का आरोप लगाया। परिजन अपने मरीजों को स्ट्रैचर से बाहर ले जाते दिखे। ICU वार्ड 5वीं फ्लोर पर है, जिसकी वजह से रेस्क्यू में दिक्कत आई। दमकलकर्मियों ने ICU और अस्पताल के दूसरे वार्डों में फंसे मरीजों को खिड़कियां और दरवाजे तोड़कर बाहर निकाला। तीन मृतकों की पहचान हो गई है, जिनमें, गीता देवी, चंचला कुमारी, 57 साल के उदय कुमार, 30 साल के शशांक कुमार शामिल हैं। एक की पहचान नहीं हो पाई है।

सीएम सम्राट चौधरी ने हादसे पर दुख जताया है। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार से हादसे पर सवाल किया गया तो उन्होंने चुप्पी साध ली। उनके साथ राज्यसभा सांसद संजय झा भी थे। दोनों आज दिल्ली के निकल गए। हालांकि एक घंटे बाद निशांत ने हादसे पर दुख जताया।

93 साल की मरीज ने आग लगने की जानकारी दी: चश्मदीदों का आरोप है कि, मौत का आंकड़ा छिपाने के लिए पुलिस घटनास्थल से जल्दबाजी में शवों को लेकर चली गई। लोगों का कहना है कि अगर आग लगने के बाद समय पर पानी की व्यवस्था की गई होती तो मृतकों की संख्या कम हो सकती थी। ICU में एडमिट 93 साल की राधा देवी ने बताया, 'मैं ICU में एडमिट थी। अचानक वार्ड में धुआं उठने लगा। मैंने तुरंत अपना ऑक्सीजन मास्क हटाया और वार्ड से बाहर आ गई बाहर आकर गार्ड को जानकारी दी कि अंदर आग लगी है।'

बेड पर लोग छटपटा रहे थे, स्टाफ भाग गया... स्थानीय निवासी धीरज गिरी ने बताया, 'मैं अस्पताल की छत पर सो रहा था। अचानक चिल्लाने की आवाज आई। नीचे आकर देखा तो लोग जान बचाने के लिए छटपटा रहे थे। कुछ लोग अस्पताल के स्टाफ को डांट रहे थे। वार्ड में धुआं इतना ज्यादा था कि कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था।' परिजन का ये भी आरोप है कि आग लगने के बाद अस्पताल के डॉक्टर और कर्मचारी मरीजों को तड़पता छोड़कर भाग गए।

दिल्ली होटल आग, मालिक बोला- डरकर भागा

जलती इमारत के पास से गुजरा था, किसी को बचाया नहीं; 21 जानें गईं थी

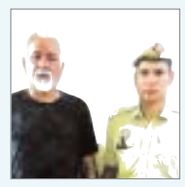

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश होटल में लगी आग मामले में गिरफ्तार मालिक लवकेश बजाज ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, आग लगने के दौरान बजाज अपनी कार से जलती हुई इमारत के पास से गुजरा, लेकिन लोगों की मदद करने के बजाय वहां से निकल गया। उसने बताया कि वह डर के कारण मौके से भाग गया था। उसने यह भी स्वीकार किया कि उसने न तो किसी की मदद की और न ही घर गया।

ललित मोदी बोले: मैं भगोड़ा नहीं, पूरी दुनिया घूम रहा

भारत सरकार की पहुंच बहुत लंबी, आप उनसे पंगा नहीं ले सकते

नई दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने कहा कि उनके लिए भगोड़े शब्द का इस्तेमाल मीडिया की तरफ से इस्तेमाल किया गया। उनके खिलाफ आज तक कोई केस नहीं हुआ है।न्यूज एजेंसी को गुरुवार को दिए इंटरव्यू में उन्होंने आगे कहा कि मैं बिल्कुल भी नहीं भाग रहा हूं।

मैं पूरी दुनिया में घूम रहा हू। अगर मैं भाग रहा होता, तो आप मुझे कहीं न कहीं पकड़ ही लेते। भारत सरकार की पहुंच बहुत लंबी है। आप भारत सरकार से पंगा नहीं ले सकते। और मेरा ऐसा कोई इरादा भी नहीं है।आईपीएल को लेकर उन्होंने कहा कि मैं इसको लेकर हमेशा से पैशनेट रहा। आखिरकार आईपीएल मेरे बच्चे जैसा है। मैं भले ही उससे जुड़ा हूं या नहीं, मुझे फर्क नहीं पड़ता। मेरे पिता अच्छे बिजनेसमैन थे लेकिन आज मेरे परिवार को ललित मोदी की वजह से जाना जाता है।

पीएम मोदी ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेलसी रोड्रिगेज से की मुलाकात

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से मुलाकात की। नेताओं की यह मुलाकात हैदराबाद हाउस में हुई। संभावना जताई जा रही है कि दोनों नेताओं ने भारत-वेनेजुएला संबंधों के कई आयामों पर चर्चा की। इनमें ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और निवेश, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित किया गया।

हिमाचल कूल वेदर में समर वेकेशन एंजॉय कर रहे टूरिस्ट

सैलानी ने शिमला को 'क्वीन ऑफ हिल्स' बताया, होटलों में ऑक्यूपेंसी 70% तक पहुंची

05+06 शिमला,एजेंसी।देश के मैदानी इलाकों में पड़ रही गर्मी के बीच बड़ी संख्या में टूरिस्ट हिमाचल प्रदेश का रुख कर रहे हैं। राज्य के टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर इससे रौनक बढ़ी है। शिमला, मनाली, कुफरी, कसौली और नारकंडा जैसे पर्यटन स्थलों पर इन दिनों पर्यटकों की अच्छी भीड़ देखने को मिल रही है और सुहावने मौसम का आनंद उठा रहे हैं। कोलकाता से कुफरी के महासू पीक पहुंचे टूरिस्ट ने बताया कि शिमला बहुत अच्छा है। यहां का मौसम भी सुहावना है। वह, 10 दिन के लिए हिमाचल टूर पर हैं। शिमला के बाद मनाली जाने का प्लान है। कोलकाता की महिला टूरिस्ट ने शिमला को सच में 'क्वीन ऑफ हिल्स' बताया।टूरिस्ट के पहाड़ों का रुख करने से होटलों में 50 से 70 फीसदी तक ऑक्यूपेंसी हो गई है। वीकेंड पर 90 से 95 फीसदी पहुंचने के आसार हैं।

मानसून केरलम पहुंचा, इस बार 3 दिन लेट

7 दिन तक भारी बारिश का अनुमान; म.प्र.-राजस्थान समेत 24 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

13 साल में 7वीं बार लेट हुआ मानसून

भोपाल/जयपुर/ देहरादून,एजेंसी। मानसून की केरलम में एंट्री हो गई है। इसके असर से केरलम के अलावा तमिलनाडु और कर्नाटक में कुछ जगहों पर अगले 7 दिन भारी बारिश हो सकती है। अगले 2-3 दिन में मानसून पूरे गोवा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों के अलावा पूर्वोत्तर के राज्यों में आगे बढ़ सकता है। इस बार मानसून 3 दिन लेट है। आमतौर पर यह 1 जून को केरलम पहुंचता है। इसके बाद डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर कर लेता है।

17 सितंबर के आसपास राजस्थान के रास्ते वापसी शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरा हो जाता है।

मानसून की लेट-लतीफी पिछले कई सालों से जारी है। पिछले 13 साल में यह 7वीं बार है जब मानसून लेट हुआ है। IMD के आंकड़ों के मुताबिक बीते 150 साल में मानसून के केरल पहुंचने की तारीखें अलग-अलग रही हैं।

ईरान जंग रोकने का प्रस्ताव अमेरिकी हाउस में पास

संसद की मंजूरी बिना सैन्य कार्रवाई पर रोक की मांग; ट्रम्प ने कहा था- जंग मेरा फैसला

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान रोकने से जुड़ा प्रस्ताव पास कर दिया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कांग्रेस की मंजूरी के बिना सैन्य कार्रवाई जारी नहीं रख सकते।हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में यह प्रस्ताव 215-208 वोटों से पारित हुआ। चार रिपब्लिकन सांसदों ने भी डेमोक्रेट्स के साथ वोट देकर ट्रम्प के खिलाफ रुख अपनाया। प्रस्ताव के तहत ट्रम्प को ईरान के खिलाफ आगे की सैन्य कार्रवाई के लिए कांग्रेस से मंजूरी लेनी होगी। मंजूरी नहीं मिलने पर अमेरिकी सैन्य बलों को वापस बुलाने की मांग की गई है। यह प्रस्ताव अब सीनेट में जाएगा। वहां मंजूरी मिलने के बाद इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। हालांकि माना जा रहा है कि ट्रम्प इस प्रस्ताव को वीटो कर सकते हैं।

इससे पहले ट्रम्प ने एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में कहा था कि ईरान के खिलाफ कार्रवाई का फैसला उन्होंने खुद लिया था। उन्होंने कहा था, 'किसी ने मुझे इसके लिए उकसाया या प्रभावित नहीं किया।

तमिलनाडु सरकार का सख्त एक्शन, 155 खदानों में गड़बड़ी मिलने के बाद ड्रोन से निगरानी की तैयारी

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु के भूविज्ञान और खनन विभाग ने राज्यभर में खदानों की निगरानी के लिए उन्नत तकनीक से लैस ड्रोन का इस्तेमाल करने का फैसला किया है। हाल ही में किए गए निरीक्षण अभियान में बड़ी संख्या में नियमों के उल्लंघन के मामले सामने आने के बाद यह कदम उठाया गया।

नियमों के उल्लंघन पर लगाम लगाने के लिए अभियान शुरू: यह फैसला पिछले सप्ताह प्राकृतिक संसाधन विभाग की ओर से किए गए औचक निरीक्षणों के बाद लिया गया। इन निरीक्षणों में राज्य के अलग-अलग जिलों की 155 खदानों में अनियमितताएं पाई गईं।अधिकारियों का कहना है कि ड्रोन आधारित निगरानी से अवैध खनन पर रोक लगाने और नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। प्राकृतिक संसाधन मंत्री टी.के. प्रभु ने खुद तेनकासी, कन्याकुमारी, विरुधुनगर और मदुरै जिलों की खदानों का निरीक्षण किया। यह अभियान खनन क्षेत्र में नियमों के उल्लंघन पर लगाम लगाने के लिए चलाया गया था।

संभल दंगे- मारे गए शख्स के परिवार को जमीन दी

1978 में हत्या करके कुएं में लाश फेंक दी थी, मंत्री बोले- संभल आज आजाद हुआ

संभल,एजेंसी। संभल के 1978 के दंगा पीड़ित परिवारों को खाली कराई गई कब्रिस्तान की 3 बीघा जमीन पर बसाया जा रहा। गुरुवार को दंगा पीड़ित रामशरण रस्तोगी के परिवार को 100 वर्ग मीटर जमीन का पट्टा दिया गया।

मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा-

संभल में 48 साल पहले जिनके आशियाने जलाए गए, आज उनके आंसू पोंछने आया हूं। न जाने कितनी पीढ़ियां इंतजार करते-करते गुज़र गईं। भारत 1947 में आजाद हुआ था। लेकिन सही मायने में संभल आज के दिन आज़ाद हुआ है।

इसके पहले प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने रामशरण रस्तोगी की बहू रुक्मिनी को पट्टे की जमीन का प्रमाण-पत्र दिया। मंत्री ने रुक्मिनी और उनके बेटे कपिल के साथ जमीन का भूमि-पूजन भी किया।

कब्रिस्तान से खाली कराई गई जमीन कोतवाली क्षेत्र के शेर खां सराय गांव में टीले वाली मस्जिद के पास है। कार्यक्रम में मुरादाबाद कमिश्नर आनजनेय कुमार सिंह, डीएम अंकित खंडेलवाल और एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई भी मौजूद थे।

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी का नाम वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय होगा

कार्य परिषद ने दी मंजूरी, राज्यपाल को भेजा प्रस्ताव; अकादमिक ढांचा भी बदलेगा

भोपाल,एजेंसी। भोपाल के बरकतउल्ला विश्वविद्यालय का नाम बदलने की कवायद एक कदम और आगे बढ़ गई है। विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद (ईसी) ने बुधवार को संस्थान का नाम 'वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसके बाद प्रस्ताव राज्यपाल और कुलाधिपति मंगुभाई पटेल के पास भेज दिया गया है।ईसी की बैठक में तर्क दिया गया कि राजा भोज का नाम प्रदेश की ऐतिहासिक और बौद्धिक विरासत का प्रतीक है। इसी आधार पर विश्वविद्यालय को उनके नाम से जोड़ने की बात रखी गई।

सिर्फ नाम ही नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय के अकादमिक ढांचे में भी बदलाव तय किए गए हैं। अरबी और पर्शियन जैसे पारंपरिक विषयों को एक साथ लाकर 'तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति विभाग' के रूप में पुनर्गठित किया जाएगा।किसी सरकारी विश्वविद्यालय का नाम बदलना सिर्फ घोषणा भर नहीं होता, बल्कि इसके लिए पूरी कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। सबसे पहले विश्वविद्यालय की कार्य परिषद या एग्जीक्यूटिव काउंसिल में नाम परिवर्तन का प्रस्ताव रखा जाता है। परिषद से मंजूरी मिलने के बाद यह प्रस्ताव राज्य के उच्च शिक्षा विभाग और फिर सरकार के पास भेजा जाता है।अधिकांश सरकारी विश्वविद्यालय राज्य सरकार द्वारा बनाए गए अधिनियमों के तहत संचालित होते हैं, इसलिए नाम बदलने के लिए संबंधित कानून में संशोधन जरूरी है। इसके लिए विधानसभा में संशोधन विधेयक पेश किया जाता है। विधानसभा से विधेयक पारित होने और राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद सरकार राजपत्र में अधिसूचना जारी करती है।अधिसूचना प्रकाशित होते ही विश्वविद्यालय का नया नाम आधिकारिक रूप से लागू हो जाता है। इसके बाद विश्वविद्यालय की वेबसाइट, डिग्री, प्रमाणपत्र, रिकॉर्ड और अन्य सरकारी दस्तावेजों में नया नाम अपडेट किया जाता है।

राजस्थान के 9 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी बारिश और आंधी-तूफान की संभावना

जयपुर एजेंसी। जयपुर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने गुरुवार को राजस्थान के कई जिलों के लिए मौसम का अलर्ट जारी किया है, जिसमें अगले तीन घंटों के दौरान बारिश, आंधी-तूफान और तेज हवाओं की चेतावनी दी गई है। बीकानेर, श्री गंगानगर, हनुमानगढ़, भीलवाड़ा, बूंदी, कोटा, बारां, झालावाड़ और चित्तौड़गढ़ जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, इन इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने और साथ में गरज-चमक के साथ आंधी आने की संभावना है, जबकि हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। विभाग ने लोगों को, विशेष रूप से खुले इलाकों में रहने वालों को, मौसम में हो रहे इस बदलाव के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है। जहां एक ओर मौसम में इस अचानक बदलाव से मौजूदा गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है, वहीं तेज हवाएं और बिजली गिरने की घटनाएं संवेदनशील इलाकों में खतरा पैदा कर सकती हैं। मौसम वैज्ञानिकों ने मौसम की इन बदलती परिस्थितियों का कारण इस क्षेत्र को प्रभावित करने वाले एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ को बताया है। इस सिस्टम के कारण आने वाले दिनों में राजस्थान के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर गरज-चमक के साथ आंधी और बारिश होने की संभावना है। ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, 4 जून से मौसम की स्थिति अस्थिर रहने की संभावना है, जिसमें बीकानेर, जोधपुर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर, उदयपुर और कोटा संभागों के कुछ हिस्सों में तेज़ आंधी, बारिश और कहीं-कहीं ओले गिरने की भी संभावना है। इस दौरान हवाएं और तेज हो सकती हैं साथ ही, कुछ इलाकों में इनकी रफ्तार 60-70 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। कई जिलों में मध्यम से भारी बारिश होने की भी उम्मीद है, जबकि पूर्वी राजस्थान के कुछ अलग-थलग इलाकों में ओले भी गिर सकते हैं। बारिश और बादलों के छाए रहने से पूरे राज्य में तापमान में काफी गिरावट आने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने बताया है कि अगले एक हफ्ते तक ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने की संभावना है, जिससे भीषण गर्मी और लू से राहत मिलेगी। विभाग के रोजाना के पूर्वानुमान के मुताबिक, 5-6 जून को जयपुर, उदयपुर, अजमेर, भरतपुर और कोटा संभागों के कई स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। 5 और 6 जून को बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों में भी हल्की बारिश हो सकती है। इसके अलावा, 7 जून को जयपुर और भरतपुर संभागों के कुछ हिस्सों में छिटपुट बारिश जारी रह सकती है।

साथ ही, 8 और 9 जून को पूरे राज्य में मौसम के ज़्यादातर शुष्क रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने किसानों, वाहन चालकों और आम जनता को आंधी-तूफान, तेज हवाओं और ओले गिरने की स्थिति में सतर्क रहने की सलाह दी है। जहां एक तरफ यह बारिश आने वाले खरीफ सीजन की तैयारियों के लिए फायदेमंद हो सकती है वहीं तेज हवाएं और ओले कुछ इलाकों में खड़ी फसलों और बुनियादी ढांचे के लिए खतरा बन सकते हैं।

तेलंगाना हैदराबाद के हेलमेट बाजार में लगी भीषण आग, मौके पर पहुंचीं दमकल की कई गाड़ियां

नई दिल्ली एजेंसी। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के अमीरपेट इलाके में शुक्रवार को एक व्यावसायिक हेलमेट बाजार में भीषण आग लग गई। आग को आसपास के इलाकों में फैलने से रोकने के लिए दमकल की टीमों को तुरंत मौके पर भेजा गया। हैदराबाद पुलिस ने पुष्टि की है कि इस भीषण घटना में अब तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। हैदराबाद के अग्निशमन अधिकारी ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि अमीरपेट के हेलमेट बाजार में अचानक आग भड़क उठी थी। सूचना मिलते ही दमकल की सात गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाने के प्रयास में जुट गई।उन्होंने कहा कि इस घटना में फिलहाल किसी के घायल होने या जान जाने की कोई खबर नहीं है। घटना के संबंध में अधिक जानकारी की अभी प्रतीक्षा की जा रही है।

मासाब टैंक इलाके में भी भड़की थी आग: इससे पहले शुक्रवार को ही हैदराबाद के मासाब टैंक मुख्य मार्ग पर स्थित एक व्यावसायिक इमारत के गोदाम में भी भीषण आग लगने की घटना सामने आई थी। आग बुझाने के लिए दमकल की तीन गाड़ियों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया था। हालात पर काबू पाने और राहत कार्यों के लिए स्थानीय पुलिस और आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें भी मौके पर मौजूद थीं।

फर्नीचर की दुकान में भी हुआ था हादसा: इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि 14 मई को एक अन्य घटना में हैदराबाद के ही हयातनगर इलाके में एक फर्नीचर की दुकान में आग लग गई थी, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई थी। दमकल अधिकारियों के अनुसार, सूचना मिलने पर दो दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और लगातार प्रयासों के बाद आग पर काबू पा लिया गया प्रारंभिक जांच से यह संकेत मिला है कि हयातनगर की घटना संभवतः बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण हुई थी हालांकि अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत निरीक्षण के बाद ही सटीक कारण की पुष्टि हो सकेगी।

देहरादून में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, दौसा हिंडौन के दो शातिर अपराधी गिरफ्तार

जयपुर/देहरादून एजेंसी। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के नयागांव इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच एक बड़ी मुठभेड़ की खबर सामने आई है, जिसमें दून पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए राजस्थान के दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है. जानकारी के मुताबिक नयागांव चौकी बैरियर पर पुलिस टीम द्वारा वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही थी, इसी दौरान वहां पहुंची राजस्थान नंबर की एक स्विफ्ट कार को जब पुलिसकर्मियों ने रुकने का इशारा किया तो कार सवार बदमाशों ने रुकने के बजाय बैरियर में जोरदार टक्कर मार दी और गाड़ी को तेजी से सेलाकुई की तरफ भगा ले गए. पुलिस टीम ने बिना वक्त गंवाए तत्काल कार का पीछा करना शुरू किया, जिसके बाद खुद को घिरता देख बदमाश चांदनी चौक से भूरपुर की तरफ मुड़ गए और रामगढ़ के रपटे के पास अपनी कार छोड़कर नदी की तरफ पैदल ही भागने लगे. इस दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी आत्मरक्षा में गोलियां चलाई और इस क्रॉस फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई जबकि उसके दूसरे साथी को पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से ही दबोच लिया. मुठभेड़ में घायल हुए बदमाश की पहचान 30 वर्षीय रिंकू मीणा पुत्र सियाराम निवासी ग्राम अखरोट, तहसील मंडावर, जिला दौसा (राजस्थान) के रूप में हुई है, जिसे इलाज के लिए दून अस्पताल में भर्ती कराया गया है. वहीं पकड़े गए दूसरे आरोपी की पहचान 32 वर्षीय विनोद कुमार मीणा पुत्र रामलाल मीणा निवासी झारेड़ा, तहसील हिंडौन सिटी, जिला करौली (राजस्थान) के रूप में हुई है. एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोभाल ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि घायल रिंकू मीणा के खिलाफ राजस्थान में हत्या जैसे कई संगीन और गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, वहीं विनोद मीणा का भी एक लंबा आपराधिक इतिहास रहा है. पुलिस ने बदमाशों के पास से दो अवैध देसी तमंचे, कारतूस के खोखे, जिंदा कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट कार बरामद कर ली है, जबकि इस गिरोह के तीन अन्य फरार सदस्यों की तलाश में पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं.

पाकिस्तान के भाईजान को भारत ने नहीं दिया भाव

सिंगापुर, एजेंसी। कश्मीर से लेकर ऑपरेशन सिंदूर के मामले तक तुर्किये हर मौके पर पाकिस्तान के साथ खड़ा नजर आया है। इसके चलते भारत के साथ तुर्किये के संबंध बिगड़े हैं। हालांकि, तुर्किये के रुख में कोई खास बदलाव नजर नहीं आया है, लेकिन अब वह भारत से संबंधों को सुधारने की कोशिश में जुटा है। तुर्किये ने कहा कि हम इकलौते देश नहीं हैं, जिसके पाकिस्तान के साथ अच्छे और भाईचारे के संबंध हैं, दुनिया में ऐसे संबंधों वाले अन्य देश भी हैं। सिंगापुर में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रैटजिक स्टडीज (आईआईएसएस) के कार्यक्रम में बुधवार (तीन जून) को तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने भारत आग्रह किया कि वे अंकारा और नई दिल्ली के संबंधों को पाकिस्तान को सामने रखते हुए न देखे। वहीं, उन्होंने पाकिस्तान के साथ तुर्किये के संबंधों के बचाव में भी दलीलें दीं।

भारत के संबंधों को सुधारने की दिशा में कदम : हकान फिदान ने इस बात पर जोर दिया कि तुर्किये के पास भारत के साथ अच्छे संबंध रखने की पर्याप्त वजह हैं। फिदान ने कहा कि भारत के साथ तुर्की का कोई भी द्विपक्षीय विवाद नहीं है। भारत के साथ हमारा कोई बुरा इतिहास नहीं है। उन्होंने कहा, ''कुछ मुद्दों पर रूस के साथ, कुछ मुद्दों पर अमेरिका के साथ, कुछ मुद्दों पर कुछ यूरोपीय देशों के साथ हमारे मतभेद हैं, लेकिन हम एक नकारात्मक मुद्दे को अलग करके सकारात्मक एजेंडा पर आगे बढ़ सकते हैं। मेरा मानना है कि तुर्किये और भारत के बीच भी यही होना चाहिए।'' तुर्किये के विदेश मंत्री की ये दलीलें ऐसे समय में सामने आई हैं, जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अंकारा की ओर से पाकिस्तान की खुलकर मदद करने की बात जगजाहिर हो चुकी है। तुर्किये ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को आत्मघाती ड्रोन इहा की बड़ी खेप दी थी। इतना ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र से लेकर कई सार्वजनिक मंचों पर तुर्किये की ओर से पाकिस्तान की तरह ही कश्मीर राग अलापा गया है।

भारत ने कैसे दिया सख्त जवाब : गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के समर्थन में खुलकर उतरने के बाद भारत के साथ तुर्किये के संबंध ठंडे बस्ते में ही रहे हैं। भारतीय अधिकारियों ने पिछले साल राजधानी में आयोजित तुर्किये के राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग नहीं लिया । जिससे अंकारा के प्रति नई दिल्ली की नाराजगी स्पष्ट होती है। हालांकि, अप्रैल 2026 में दोनों देशों ने 12वीं विदेश कार्यालय परामर्श बैठक (एफओसी) आयोजित की, जिससे संबंधों में संभावित सुधार का संकेत मिला।

आदिवासी आस्था पर चोट से भड़की हिंसा

जगदलपुर एजेंसी। सड्रापाल के बीचोंबीच खड़ी वह छोटी सी झोपड़ी अब गांव के जख्म की तरह दिखाई देती है। टूटा दरवाजा धूल में पड़ा है। भीतर बिखरी हैं बाइबल की प्रतियां, हल्बी में लिखी मिशनरी संस्था की 'नवा नियम'। चार दिन पहले तक यहां प्रार्थना की आवाज गूंजती थी, लेकिन 31 मई को हुई हिंसा के बाद आज ऐसा सन्नाटा है कि दूर चरती बकरियों के गले में बंधी घंटियों की आवाज भी साफ सुनाई देती है। हिंसा के बाद गांव के छह परिवार पलायन कर दूसरे गांव में शरण लेने के लिए मजबूर हुए हैं। दोनों पक्षों के 13 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। पूर्व सरपंच हिड़मा मंडावी सहित दर्जनों ग्रामीणों के विरुद्ध पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।सुकमा जिले की पालेम पंचायत का यह छोटा सा गांव इन दिनों केवल हिंसा की वजह से चर्चा में नहीं है।यह उस टकराव की कहानी बन गया है, जो तब जन्म लेता है जब सदियों पुरानी आस्था और नई धार्मिक पहचान आमने-सामने खड़ी हो जाती है। ग्रामीणों के अनुसार, यह विवाद एक दिन में पैदा नहीं हुआ। इसकी शुरुआत तब हुई, जब गांव के सिरहा परिवार ने अपनी पारंपरिक आस्था छोड़ दी।आदिवासी समाज में सिरहा केवल पुजारी नहीं, बल्कि देवगुड़ी (आदिवासियों के पूजा स्थल) और सामूहिक आस्था का संरक्षक माना जाता है। ग्रामीण बताते हैं कि सिरहा पेडी की मृत्यु के बाद मिशनरी संस्था के लोगों ने उसके परिवार को समझाया कि उनकी विपत्तियों का कारण गांव के देव हैं। इसके बाद परिवार चर्च से जुड़ गया। इधर, गांव के देवगुड़ी के पास सिरहा के परिवार की परंपरागत देवगुड़ी अब उजड़ चुकी है।

लोग चर्च जाने लगे और दो फाड़ में बंटा गांव: इमली पेड़ की छांव में बैठे हिड़मा वेट्टी कहते हैं, 'पहले पूरा गांव एक था। सभी देवगुड़ी में साथ पूजा करते थे, फिर धीरे-धीरे लोग चर्च जाने लगे।' पारंपरिक पूजा, त्योहार और सामूहिक अनुष्ठानों से दूरी बढ़ी और देखते ही देखते गांव दो हिस्सों में बंट गया।

अवैध पार्किंग के खिलाफ एमसीडी और दिल्ली पुलिस का संयुक्त अभियान शुरू, मल्टी-लेवल सुविधाओं पर जोर

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली में ट्रैफिक की समस्या और सड़क किनारे लगने वाली भीड़ को कम करने के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर एक बड़ा अभियान शुरू किया है। गुरुवार से राजधानी के चुने हुए मल्टी-लेवल पार्किंग स्थानों के आस-पास यह जागरूकता और सख्ती वाला अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का मकसद लोगों को जिम्मेदारी से पार्किंग करने की आदत डालना है, ताकि सड़कें साफ और ट्रैफिक सुगम बने। अभियान का मकसद गाड़ी चलाने वालों को यह समझाना है कि वे सड़कों, सर्विस लेन, फुटपाथ, कैरिजवे, नो-पार्किंग जोन और दूसरी सार्वजनिक जगहों पर जहां-तहां गाड़ियां खड़ी करने के बजाय तय पार्किंग जगहों का इस्तेमाल करें। अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का मकसद मौजूदा पार्किंग सुविधाओं का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल सुनिश्चित करना है, साथ ही व्यस्त कमर्शियल और रिहायशी इलाकों में ट्रैफिक की आवाजाही को भी सुचारू बनाए रखना है।

यह मुहिम शुरू में दिल्ली भर में पहचानी गई छह मल्टी-लेवल पार्किंग जगहों, स्पार्क मॉल (कमला नगर), एम-ब्लॉक मार्केट (ग्रेटर कैलाश-आई), हौज खास, कुतुब रोड, निजामुद्दीन बस्ती और परेड ग्राउंड पर केंद्रित होगी। अधिकारियों के मुताबिक, इन जगहों पर पार्किंग की पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हैं। हालांकि यह देखा गया है कि कई लोग अभी आसपास के उन इलाकों में अपनी गाड़ियां खड़ी करते हैं, जहां इसकी इजाजत नहीं है। इनमें सड़कों के किनारे, बाजार के प्रवेश द्वार, फुटपाथ और दूसरे प्रतिबंधित जोन शामिल हैं। इस तरह के उल्लंघन अक्सर पैदल चलने वालों, आपातकालीन वाहनों और ट्रैफिक की सुचारू आवाजाही में रुकावट डालते हैं। इस अभियान के तहत दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और एमसीडी के कर्मचारी मिलकर पार्किंग व्यवस्था को नियंत्रित करेंगे और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। सख्ती से नियमों का पालन करवाने के उपायों के अलावा, अधिकारी जागरूकता अभियान भी चलाएंगे ताकि आने-जाने वालों, निवासियों, दुकानदारों और बाजार यूनियनों को तय पार्किंग सुविधाओं का इस्तेमाल करने के फायदों के बारे में बताया जा सके। जनता से सहयोग की अपील करते हुए एमसीडी कमिश्नर ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे मल्टी-लेवल पार्किंग सुविधाओं का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करें। इन सुविधाओं का सही इस्तेमाल करने से ट्रैफिक प्रबंधन बेहतर होगा। जनता को ज्यादा सुविधा मिलेगी और पूरे शहर में नागरिक अनुशासन को बढ़ावा मिलेगा।

स्थानीय चुनाव में 12 प्रांत जीते, फिर भी अधूरी रही खुशी; सियोल में मात खा गई ली की पार्टी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में बुधवार को हुए स्थानीय चुनावों में राष्ट्रपति ली जे म्युंग की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी ने अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज की। लेकिन राजधानी सियोल के मेयर पद की सबसे अहम लड़ाई हार गई। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह परिणाम राष्ट्रपति ली के लिए मिला-जुला संदेश है, क्योंकि उनकी पार्टी ने बड़ी सफलता हासिल की, लेकिन सबसे प्रतिष्ठित चुनावी मुकाबला गंवा दिया। करीब सभी मतों की गिनती पूरी होने तक डेमोक्रेटिक पार्टी ने 16 में से 12 मेयर और प्रांतीय गवर्नर पदों पर जीत दर्ज की। वहीं मुख्य विपक्षी पीपल पावर पार्टी ([illegible]) ने चार सीटें जीतीं, जिनमें सियोल मेयर का पद भी शामिल है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जंग चुंग-राय ने सियोल में हार को दर्दनाक बताया, हालांकि अन्य क्षेत्रों में मिली जीत के लिए मतदाताओं का आभार जताया।

राष्ट्रपति ली के एक वर्ष पूरे होन के दिन हुआ चुनाव : यह चुनाव राष्ट्रपति ली के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने के दिन हुआ। ली को अभी भी 60 प्रतिशत से अधिक जनसमर्थन प्राप्त है। उनकी सरकार को अमेरिका और जापान के साथ संबंधों को संतुलित रखने वाली व्यावहारिक कूटनीति, मजबूत शेयर बाजार और सरकारी फैसलों में पारदर्शिता बढ़ाने के प्रयासों का लाभ मिला है।

सियोल पर किसने जीत हासिल की : हालांकि सियोल मेयर पद पर डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चोंग वोन-ओ शुरुआती रुझानों में आगे थे, लेकिन मतगणना आगे बढ़ने के साथ मौजूदा मेयर ओह से-हून ने बढ़त बना ली और अंततः जीत दर्ज की। जीत के बाद ओह से-हून ने कहा कि सियोल के नागरिकों ने यह सुनिश्चित किया है कि देश किसी एक दिशा में अत्यधिक न झुके और लोकतंत्र का संतुलन बना रहे। वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चोंग वोन-ओ ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि वे जनता के फैसले को विनम्रता से स्वीकार करते हैं।

चुनाव के दौरान क्या गड़बड़ी हुई : चुनाव के दौरान सियोल के कुछ मतदान केंद्रों पर मतपत्रों की कमी के कारण मतदान अस्थायी रूप से रोकना पड़ा, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। पीपीपी ने इस घटना को मतदाताओं के अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए जांच के आधार पर दोबारा चुनाव कराने की मांग की, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी ने इसे खारिज कर दिया।

सबसे चर्चा में किसकी जीत रही : इस बीच, संसद के उपचुनावों में भी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 14 में से नौ सीटें जीतकर अपनी संसदीय बढ़त और मजबूत कर ली।

भारतीय शख्स पर गर्भवती किशोरी और अजन्मे बच्चे की हत्या का आरोप, पीड़ित परिवार ने की निर्वासन की मांग

ओहियो, एजेंसी। अमेरिका के ओहियो में एक दर्दनाक कार दुर्घटना में अपने अजन्मे बच्चे के साथ मारी गई एक गर्भवती किशोरी की हत्या का आरोप एक भारतीय शख्स पर लगा है। किशोरी की मां एनेट होम्स ने भारतीय व्यक्ति को देश से निर्वासित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वह 33 वर्षीय तरसेम सिंह को देश में नहीं रहने देना चाहतीं।

पीड़िता के परिवार के अनुसार, अमेरिका में अवैध रूप से रह रहा भारतीय नागरिक तरसेम सिंह 17 वर्षीय ऐश्ली होम्स के अजन्मे बच्चे का पिता था। रिश्तेदारों ने बताया कि ऐश्ली ने कई बार इस रिश्ते से अलग होने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो पाई।

पीड़िता की मां ने की निर्वासन की मांग : एनेट होम्स ने कहा, 'किसी को भी अपने पहले बच्चे के साथ गर्भवती होने के दौरान नहीं मरना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे अच्छा लगेगा, अगर उसे स्थायी रूप से देश से निकाल दिया जाए। हमें पता चला कि वह पहले अवैध रूप से यहां आया था। वे उसे कहीं भी भेज सकते हैं जहां वह सबसे अच्छा हो क्योंकि मैं उसे अब अमेरिका में नहीं चाहती। '

ऐश्ली होम्स की मौत कैसे हुई : पुलिस के अनुसार, 16 फरवरी को हुई दुर्घटना के समय ऐश्ली रेंज रोवर में एक यात्री के रूप में सवार थी। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना तब हुई, जब आरोपी तरसेम सिंह कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा रोके जाने पर नहीं रुके।

कांगो में इबोला संकट बरकरार, बेहतर जांच के बावजूद नियंत्रण से दूर हालात

वॉशिंगटन, एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगो में फैले इबोला वायरस के प्रकोप को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने गंभीर चिंता जताई है। संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडहानोम घेब्रेयेसस ने कहा कि जांच और प्रयोगशाला सुविधाओं में सुधार हुआ है, लेकिन संक्रमण को रोकने की लड़ाई में स्वास्थ्य एजेंसियां अभी भी पीछे चल रही हैं। उन्होंने कहा कि इबोला का प्रकोप हमसे काफी आगे निकल चुका था और हम अभी भी उससे पीछे हैं। हालांकि अब हालात को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। कांगो के पूर्वी हिस्से में हालात और अधिक जटिल हो गए हैं। मंगलवार रात नॉर्थ किवू प्रांत के बेनी क्षेत्र में इस्लामिक स्टेट (IS) से जुड़े आतंकी संगठन एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज (ADF) के हमले में 16 लोगों की मौत हो गई। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार यह हमला कांगो और युगांडा की संयुक्त सैन्य कार्रवाई के जवाब में किया गया। इससे पहले भी उग्रवादियों ने सीमा के पास कई गांवों पर हमला कर दर्जनों लोगों की जान ली थी। लगातार जारी हिंसा और असुरक्षा के कारण स्वास्थ्यकर्मियों को प्रभावित इलाकों तक पहुंचने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। 60 मौतें, 344 मामले; संक्रमण का दायरा चिंता बढ़ा रहा मई के मध्य में घोषित इस प्रकोप के बाद अब तक कांगो में इबोला के 344 मामलों की पहचान की गई है, जिनमें 60 लोगों की मौत हो चुकी है।

पड़ोसी देश युगांडा में भी संक्रमण पहुंच चुका है।

ट्रंप बैठक में सो रहे थे : अमेरिकी संसद में राष्ट्रपति की सेहत पर विवाद, रूबियो ने आरोपों को किया खारिज

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सेहत और कार्यक्षमता को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। बुधवार को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) की विदेश मामलों की समिति की सुनवाई के दौरान विदेश मंत्री मार्को रूबियो और डेमोक्रेट सांसद टेड लियू के बीच तीखी बहस देखने को मिली। सुनवाई के दौरान टेड लियू ने कई वीडियो क्लिप दिखाते हुए दावा किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आधिकारिक बैठकों के दौरान सोते हुए दिखाई दे रहे थे। उन्होंने एक कैबिनेट बैठक का वीडियो दिखाया, जिसमें ट्रंप की आंखें बंद और सिर झुका हुआ नजर आ रहा था, जबकि उनके बगल में बैठे मार्को रूबियो बोल रहे थे। रूबियो ने आरोपों पर क्या जवाब दिया? लियू ने रूबियो से पूछा कि क्या उन्होंने कभी ट्रंप को सरकारी बैठकों के दौरान सोते हुए देखा है। इस पर रूबियो ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि यह पूरी तरह गलत है। मैंने उन्हें कभी सोते हुए नहीं देखा। सच तो यह है कि वह बहुत कम सोते हैं। वह मुझे रात 2 बजे और सुबह 5 बजे भी फोन कर लेते हैं। इसके बाद लियू ने एक और वीडियो दिखाया और दावा किया कि ट्रंप कैबिनेट बैठक के दौरान झपकी लेते नजर आए। उन्होंने कहा कि जब युद्ध और शांति जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा हो रही थी, तब राष्ट्रपति सो रहे थे। हालांकि रूबियो लगातार इन दावों को नकारते रहे। उन्होंने कहा कि ट्रंप कभी किसी ब्रीफिंग में नहीं सोए और यह आरोप बेतुका और हास्यास्पद है। रूबियो ने राष्ट्रपति का बचाव करते हुए कहा कि ट्रंप दिन-रात लंबे समय तक काम करते हैं और कई विदेशी दौरों पर उन्होंने उन्हें पूरी उड़ान के दौरान जागते हुए देखा है। लियू ने रूबियो को बताया झूठा इस पर टेड लियू ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि झूठ बोलते रहिए, बस झूठ बोलते रहिए

उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप का नौकरी के दौरान जागे न रह पाना उनकी सेहत और मानसिक क्षमता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। ट्रंप की सेहत को लेकर क्यों हो रही चर्चा यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब 79 वर्षीय ट्रंप की सेहत को लेकर सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में चर्चा चल रही है। राजनीतिक टिप्पणीकार ब्रायन क्रासेनस्टीन ने हाल ही में एक वीडियो साझा कर दावा किया था कि राष्ट्रपति का चेहरा सूजा हुआ दिखाई दे रहा है। वहीं टेड लियू ने भी सोशल मीडिया पर ट्रंप के कथित तौर पर झपकी लेने के वीडियो साझा किए हैं। दूसरी ओर, व्हाइट हाउस ने राष्ट्रपति की सेहत को लेकर उठ रहे सवालों को खारिज किया है।

कलेक्टर ने प्राचार्यों की बैठक लेकर दिए आवश्यक निर्देश

बालिका शिक्षा, स्वच्छ शौचालय और बेहतर शैक्षणिक वातावरण पर दिया विशेष बल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी गुणवत्तापूर्ण एवं परिणाममूलक बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा ने जूरी में प्राचार्यों की बैठक लेकर शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए बैठक में विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, परीक्षा परिणाम नवाचार गतिविधियों तथा आगामी शैक्षणिक सत्र की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। लेक्टर ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा प्रदान करने का केंद्र नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और भविष्य की नींव तैयार करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने प्राचार्यों से अपेक्षा की कि वे विद्यालयों में अध्ययन-अध्यापन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें तथा प्रत्येक विद्यार्थी तक बेहतर शिक्षा पहुंचाने के लिए सतत प्रयास करें बैठक में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर उनके लिए विशेष शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराने तथा परीक्षा परिणामों में सुधार के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों और प्राचार्यों के सामूहिक प्रयासों से ही शिक्षा के क्षेत्र में अपेक्षित परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं कलेक्टर ने बालिका शिक्षा को विशेष प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक बालिका की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा विद्यालय छोड़ चुकी बालिकाओं को पुनः शिक्षा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। उन्होंने विद्यालयों में बालिकाओं के लिए पृथक एवं स्वच्छ शौचालयों की उपलब्धता नियमित साफ-सफाई तथा आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि सुरक्षित सम्मानजनक और सुविधायुक्त शैक्षणिक वातावरण बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण आधार है उन्होंने प्राचार्यों से बालिकाओं को उच्च शिक्षा, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व की दिशा में प्रेरित करने का आह्वान किया कलेक्टर ने विद्यालयों में स्वच्छता, पेयजल, खेलकूद पुस्तकालय एवं डिजिटल शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता पर भी जोर दिया उन्होंने कहा कि बच्चों को पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा के साथ-साथ खेल योग सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना आवश्यक है जिससे उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके बैठक में नवाचार गतिविधियों डिजिटल शिक्षण संसाधनों के उपयोग तथा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और रचनात्मक सोच विकसित करने पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने प्राचार्यों से विद्यालयों में सकारात्मक एवं प्रेरणादायी शैक्षणिक वातावरण निर्मित करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता को पहचानकर उसे आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाना चाहिए उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही विकसित समाज और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए सभी प्राचार्य जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें ताकि जिले के विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें और अपने सपनों को साकार कर सकें। बैठक में उपखंड अधिकारी कुसमी शैलेश द्विवेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ज्ञानेंद्र मिश्रा सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं विकासखंड कुसमी के समस्त विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

एसपी समर कैंप में बैढ़न स्टेडियम पहुंचे,बाइक न चलाएं और माता-पिता को हेलमेट पहनने कहें

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। राजमाता चुन कुमारी स्टेडियम बैढ़न में आयोजित समर कैंप में गुरुवार को पुलिस अधीक्षक षियाज के. एम. खिलाड़ियों के बीच पहुंचे। उन्होंने क्रिकेट फुटबॉल, बैडमिंटन बास्केटबॉल और खो-खो सहित विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण ले रहे बालक-बालिकाओं से बातचीत की एसपी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके अभ्यास लक्ष्य और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक मजबूती का माध्यम नहीं हैं बल्कि अनुशासन आत्मविश्वास नेतृत्व क्षमता धैर्य और टीम भावना विकसित करने का सबसे प्रभावी जरिया भी हैं उन्होंने सभी खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया कम उम्र में वाहन न चलाने की समझाइश बातचीत के दौरान कुछ कम उम्र के बच्चों ने बाइक चलाने की बात स्वीकार की इस पर एसपी ने उन्हें बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस वाहन न चलाने की समझाइश दी उन्होंने कहा कि कम उम्र में वाहन चलाना न सिर्फ कानून का उल्लंघन है बल्कि यह जानलेवा भी साबित हो सकता है एसपी ने बच्चों से यातायात नियमों का पालन करने और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की अपील की पुलिस अधीक्षक ने बच्चों के माध्यम से उनके परिवारों तक भी एक महत्वपूर्ण संदेश पहुंचाया उन्होंने कहा कि जब भी माता-पिता दोपहिया वाहन से बाहर निकलें तो बच्चे उन्हें हेलमेट पहनने की याद अवश्य दिलाएं हेलमेट केवल एक नियम नहीं बल्कि जीवन की सुरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण साधन है एसपी ने खिलाड़ियों को नशे और गलत आदतों से दूर रहने, मोबाइल और सोशल मीडिया का संतुलित उपयोग करने समेत शिक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

महान परियोजना कार्यालय में अधिकारी नदारद कुर्सियां सूनी समस्याएं : लेकर भटकते रहे ग्रामीण; बोले-जब आता ताला लगा रहता, किससे मिलूं, समझ नहीं आता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के महान परियोजना कार्यालय में गुरुवार को अव्यवस्था का आलम देखने को मिला सुबह करीब 11 बजे निरीक्षण करने पहुंचे ग्रामीणों और स्थानीय लोगों को कार्यालय में जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी नदारद मिले ताला खुला होने के बावजूद अधिकारियों की कुर्सियां सूनी रहीं, जिससे दूर-दराज से आए लोगों को अपनी समस्याएं बताने में परेशानी हुई ग्रामीणों ने कार्यालय की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं सत्यवान नामक एक ग्रामीण ने बताया कि उनकी जमीन से निकली छोटी नहर से संबंधित समस्या को लेकर वह कई बार अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं। उनका आरोप है कि बार-बार कार्यालय आने के बावजूद उन्हें कोई अधिकारी या कर्मचारी नहीं मिलता और उनकी शिकायतों पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

ग्रामीण बोले-जब आता ताला लगा रहता: सत्यवान ने अपनी परेशानी व्यक्त करते हुए कहा जब भी मैं सीधी आकर कार्यालय पहुंचता हूं यहां या तो ताला लगा मिलता है या फिर अधिकारी नहीं मिलते आखिर अपनी समस्या लेकर मैं कहां जाऊं और किससे मिलूं यह समझ नहीं आता गुरुवार को कार्यालय में केवल एक चपरासी मौजूद मिला जिसने अपना नाम बताने से इनकार कर दिया कार्यालय में मुख्य रूप से कार्यपालन अधिकारी पी.के. त्रिपाठी और एसडीओ रविंद्र भालेकर सहित अन्य अधिकारियों की पदस्थापना है, लेकिन इनमें से कोई भी उपस्थित नहीं था।

कार्यपालन अधिकारी ने फोन रिसीव नहीं किया: इस मामले में कार्यपालन अधिकारी पी.के. त्रिपाठी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। अधिकारियों की अनुपस्थिति और संपर्क न हो पाने से कार्यालय की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे सवाल और गहरे हो गए हैं कार्यालय के आसपास मौजूद कुछ लोगों ने दावा किया कि कार्यपालन अधिकारी पी.के. त्रिपाठी नियमित रूप से कार्यालय में नहीं बैठते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, वे महीने में कभी-कभार कुछ घंटों के लिए आते हैं और आवश्यक फाइलों पर हस्ताक्षर कर वापस चले जाते हैं। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

सिंगरौली पुलिस को मिले 198 नए आरक्षक :एसपी ने 28 नव-नियुक्त को सौंपे नियुक्ति पत्र, प्रक्रिया जारी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। मध्य प्रदेश पुलिस विभाग में भर्ती प्रक्रिया के तहत सिंगरौली जिले को 198 नए आरक्षक मिले हैं गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक शियाज के.एम. ने 28 नव-नियुक्त आरक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपे वर्ष 2025 की आरक्षक भर्ती परीक्षा के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों का मेडिकल परीक्षण और चरित्र सत्यापन किया जा रहा है। विभागीय प्रक्रिया के तहत अब तक कुल 50 नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं।

नव आरक्षकों को ईमानदारी से सेवा की सीख: इनमें से 28 आरक्षकों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अपने नियुक्ति पत्र प्राप्त किए। शेष चयनित अभ्यर्थियों को

औपचारिकताएं पूरी होने के बाद चरणबद्ध तरीके से नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक शियाज़ के.एम. ने नव आरक्षकों को संबोधित किया उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा केवल रोजगार का माध्यम नहीं है बल्कि यह जनता की सुरक्षा कानून व्यवस्था बनाए रखने और समाज सेवा का एक महत्वपूर्ण दायित्व है। एसपी ने सभी नव आरक्षकों से ईमानदारी, अनुशासन और पूर्ण निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की अपेक्षा की।

चयनित आरक्षकों को मिलेंगे नियुक्ति पत्र: एसपी ने यह भी बताया कि जिन अभ्यर्थियों के चरित्र सत्यापन और अन्य आवश्यक प्रतिवेदन लंबित हैं उनके दस्तावेज प्राप्त होते ही नियुक्ति पत्र जारी कर दिए जाएंगे। विभाग का लक्ष्य सभी 198 चयनित आरक्षकों को शीघ्र पदस्थापना प्रदान करना है कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा, रक्षित निरीक्षक केशव सिंह चौहान, सउनि (एम) नाथ पाण्डेय सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे सिंगरौली पुलिस परिवार में शामिल हुए सभी नव आरक्षकों का स्वागत किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य तथा सफल पुलिस सेवा के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

सिलेंडर फटा, छह दुकानें जलकर खाक,लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के जियावन थाना क्षेत्र के बाजार इलाके में गुरुवार सुबह गैस सिलेंडर फटने से आग लग गई आग की चपेट में आकर छह गोमतियां जलकर खाक हो गईं घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है लेकिन व्यापारियों को लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है।

चाय की दुकान में हुआ सिलेंडर ब्लास्ट : जानकारी के मुताबिक, बाजार में संचालित एक चाय-समोसे की गोमती में रखा गैस सिलेंडर अचानक फट गया। धमाके के बाद दुकान में आग लग गई, जिसने देखते ही देखते आसपास की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग तेजी से फैलने के कारण कुल छह गोमतियों में रखा सामान जल गया।

आग लगते ही मची अफरा-तफरी : घटना के बाद बाजार क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोग और दुकानदार आग बुझाने के लिए मौके पर जुट गए। लोगों ने पानी और उपलब्ध संसाधनों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश की। साथ ही दुकानों में रखा सामान सुरक्षित निकालने का प्रयास भी किया गया, लेकिन आग की तीव्रता के कारण ज्यादा सामान नहीं बचाया जा सका।

दमकल पहुंचने तक बढ़ चुका था नुकसान : घटना की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग को बुलाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फायर ब्रिगेड की गाड़ियां करीब 45 मिनट बाद मौके पर पहुंचीं तब तक पांच से छह दुकानें पूरी तरह जल चुकी थीं दमकल कर्मियों ने पहुंचकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया और आग को आसपास के अन्य प्रतिष्ठानों तक फैलने से रोक लिया।

नुकसान का आकलन शुरू जियावन एसडीओपी गायत्री मिश्रा ने बताया कि दमकल टीम ने आग पर काबू पा लिया है। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह सिलेंडर ब्लास्ट सामने आई है। प्रशासन की ओर से नुकसान का आकलन कराया जा रहा है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर हुंचकर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

डिप्टी कलेक्टर प्रिया पाठक के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शासकीय कन्या महाविद्यालय के सामने से हटाया गया अतिक्रमण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रिया पाठक के नेतृत्व में नगर पालिका, राजस्व एवं नजूल विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई कार्रवाई के दौरान शासकीय कन्या महाविद्यालय के सामने शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाकर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया गया शासन की इस कार्रवाई का उद्देश्य शासकीय भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा आमजन और छात्राओं के लिए आवागमन को सुगम बनाना है। टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाते हुए संबंधित लोगों को भविष्य में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण न करने की समझाइश भी दी डिप्टी कलेक्टर प्रिया पाठक ने कहा कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। सार्वजनिक स्थलों, शासकीय परिसरों एवं मार्गों को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के लिए नियमित रूप से कार्रवाई जारी रहेगी उन्होंने नागरिकों से भी सहयोग की अपेक्षा करते हुए सार्वजनिक संपत्तियों के संरक्षण में सहभागी बनने की अपील की कार्रवाई के दौरान नगर पालिका, राजस्व एवं नजूल विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

लखपति दीदी बन रहीं आत्मनिर्भरता की मिसाल स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने कलेक्टर से साझा किए सफलता के अनुभव

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में स्व-सहायता समूह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं इसी क्रम में कलेक्टर विकास मिश्रा ने वनांचल कुसमी के दूरस्थ ग्राम मेड़रा में स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं एवं लखपति दीदियों से संवाद कर उनकी गतिविधियों उपलब्धियों तथा भविष्य की योजनाओं की जानकारी प्राप्त की संवाद के दौरान महिलाओं ने बताया कि समूह के माध्यम से वे विभिन्न आयवर्धक गतिविधियों का सफल संचालन कर रही हैं वर्तमान में आटा चक्की संचालन सेंटरिंग कार्य सहित कई स्वरोजगार आधारित गतिविधियों से महिलाओं की आय में वृद्धि हो रही है। महिलाओं ने बताया कि समूह से जुड़ने के बाद न केवल

उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आया है बल्कि उनमें आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता का भी विकास हुआ है महिलाओं ने कलेक्टर को बताया कि वे बैंक ऋण के माध्यम से अपने व्यवसाय का विस्तार करने की दिशा में भी कार्य कर रही हैं समूहों द्वारा मुर्गी पालन सहित अन्य आजीविका गतिविधियों के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं जिनके माध्यम से भविष्य में रोजगार और आय के नए अवसर सृजित होंगे महिलाओं ने अपनी सफलता की कहानियां साझा करते हुए बताया कि सामूहिक प्रयास और सरकारी योजनाओं के सहयोग से वे आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रही हैं कलेक्टर विकास मिश्रा ने महिलाओं की पहल और कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि स्व-सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने महिलाओं को स्वरोजगार आधारित गतिविधियों का विस्तार करने उपलब्ध योजनाओं का लाभ लेने तथा समूह आधारित उद्यमों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया उन्होंने कहा कि लखपति दीदियां अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं और उनके अनुभव समाज में सकारात्मक परिवर्तन की नई कहानी लिख रहे हैं कलेक्टर ने कहा कि जब महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होती हैं ग्राम मेड़रा की महिलाओं द्वारा किए जा रहे प्रयास इस दिशा में एक प्रेरणादायी उदाहरण हैं, जो यह सिद्ध करते हैं कि अवसर और संकल्प मिलने पर महिलाएं विकास की नई ऊंचाइयों को छू सकती हैं इस दौरान उपखंड अधिकारी कुसमी शैलेश द्विवेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ज्ञानेंद्र मिश्रा सहित संबंधित विभागीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में लखपती दीदियां उपस्थित रही।

योग, डिजिटल शिक्षा और रचनात्मक गतिविधियों से समृद्ध हो रहा बचपन कुसमी के बच्चों को मिल रही नई उड़ान, समर कैंप में निखर रही प्रतिभाएं

कलेक्टर ने समर कैंप का किया निरीक्षण, बच्चों की प्रतिभा और सीखने की लगन की सराहना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में बच्चों के सर्वांगीण विकास और रचनात्मक क्षमताओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित समर कैंप गतिविधियां उत्साहपूर्ण वातावरण में संचालित हो रही हैं कलेक्टर विकास मिश्रा ने कुसमी विकासखंड के पोड़ी में आयोजित समर कैंप का निरीक्षण कर बच्चों से संवाद किया तथा विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया समर कैंप में प्रतिदिन सुबह 6 बजे से ही बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियों का उत्साहपूर्वक आयोजन किया जा रहा है योग खेल रचनात्मक गतिविधियां, कंप्यूटर प्रशिक्षण तथा व्यक्तित्व विकास से जुड़ी गतिविधियों में बच्चे बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं जिससे उनमें सीखने के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हो रहा है निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बच्चों को योगाभ्यास करते हुए देखा उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है बल्कि मानसिक एकाग्रता अनुशासन और आत्मविश्वास का भी विकास करता है। बच्चों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ योग की विभिन्न क्रियाओं का प्रदर्शन किया समर कैंप में बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा भी प्रदान की जा रही है कलेक्टर ने कंप्यूटर कक्ष का निरीक्षण कर बच्चों से उनके सीखने के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल साक्षरता अत्यंत महत्वपूर्ण है और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को तकनीकी ज्ञान से जोड़ना उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार करता है इस अवसर पर कलेक्टर ने कुसमी में प्रारंभ किए गए 'उजियार अभियान की भी जानकारी ली अभियान के माध्यम से बच्चों और युवाओं को शिक्षा डिजिटल ज्ञान तथा सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि यह पहल दूरस्थ अंचलों के बच्चों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलने का कार्य कर रही है और उन्हें आत्मनिर्भर तथा जागरूक नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित कर रही है कलेक्टर ने समर कैंप में बच्चों द्वारा प्रदर्शित उत्साह जिज्ञासा और सीखने की अभिरुचि की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास बच्चों के व्यक्तित्व विकास, कौशल संवर्धन और उज्ज्वल भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण गतिविधियों और सीखने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वे अपनी प्रतिभा को निखारकर जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकें समर कैंप में शिक्षा, खेल योग कंप्यूटर प्रशिक्षण एवं रचनात्मक गतिविधियों का समावेश बच्चों के लिए सीखने और आनंद का एक सशक्त मंच बन रहा है जो उनके सपनों को नई उड़ान देने का माध्यम साबित हो रहा है इस दौरान उपखंड अधिकारी शैलेश द्विवेदी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कार्यालय में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित, अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मानसून एवं संभावित बाढ़ आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) की स्थापना जिला कार्यालय सीधी के भू-प्रबंधन कक्ष में की गई है। डिप्टी कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह व्यवस्था 18 मई 2026 को आयोजित बाढ़ आपदा प्रबंधन एवं मानसून तैयारी समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में की गई है जारी आदेशानुसार अधीक्षक भू-अभिलेख मुनेन्द्र प्रसाद तिवारी को जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष का प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके सहयोग के लिए राजस्व निरीक्षक अशोक कुमार चौबे की ड्यूटी लगाई गई है कंट्रोल रूम को 24 घंटे संचालित रखने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी चार पालियों में निर्धारित की गई है। प्रथम पाली प्रातः 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक द्वितीय पाली दोपहर 12 बजे से सायं 6 बजे तक तृतीय पाली सायं 6 बजे से रात्रि 12 बजे तक तथा चतुर्थ पाली रात्रि 12 बजे से प्रातः 6 बजे तक कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इसके अतिरिक्त आवश्यकतानुसार रिजर्व कर्मचारियों की भी व्यवस्था की गई है आदेश में निर्देशित किया गया है कि नामांकित कर्मचारी तीन दिवस के भीतर कंट्रोल रूम में उपस्थित होकर सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें। साथ ही जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को अपने-अपने उपखंड स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए हैं जिला प्रशासन ने मानसून अवधि में बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित सूचनाओं के त्वरित संकलन, समन्वय एवं राहत कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की है।

प्रदूषण पर भाषण बहुत हुए, अब घर के कोने से साइकिल निकालिए

संपादकीय

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब हर व्यक्ति समय की कमी और तनाव की शिकायत करता है, तब एक बेहद साधारण और किफायती समाधान हमारे सामने खड़ा दिखाई देता है। वह समाधान है - साइकिल। आज 3 जून को पूरी दुनिया विश्व साइकिल दिवस मना रही है। यह दिन किसी आधुनिक आविष्कार का जश्न नहीं, बल्कि उस सादगी और उपयोगिता को याद करने का अवसर है, जिसे हमने विकास की अंधी दौड़ में कहीं पीछे छोड़ दिया है। जब पूरी दुनिया महंगे ईंधन, ट्रैफिक जाम और जहरीले धुएं से हांफ रही है, तब साइकिल एक सुगम साधन की तरह नजर आती है। यह कोई साधारण सवारी नहीं, बल्कि बिना धुएं वाली वह मूक क्रांति है जो व्यक्ति की सेहत, जेब और धरती तीनों को एक साथ संवार सकती है। आजकल की जीवनशैली को देखें तो हैरान करने वाली तस्वीरें सामने आती हैं। घर से महज दो कदम दूर सब्जी की दुकान या दूध की डेयरी तक जाने के लिए भी लोग तुरंत मोटरसाइकिल या कार की चाबी उठा लेते हैं। नतीजा यह हुआ है कि शहरों की हवा भारी हो चुकी है, सड़कों पर पैदल चलने की जगह नहीं बची और इंसानी शरीर बीमारियों का घर बनता जा रहा है। लोग शारीरिक रूप से खुद को फिट रखने के लिए हर महीने जिम में हजारों रुपये खर्च करते हैं और एक ही जगह खड़े होकर ट्रेडमिल पर दौड़ते हैं। जबकि इसका सबसे आसान और प्राकृतिक विकल्प हमारी दिनचर्या में ही छुपा है। सुबह या शाम को सिर्फ आधा घंटा साइकिल चलाना दिल को मजबूत करता है, मानसिक तनाव को कम करता है और शरीर को ऊर्जा से भर देता है।साइकिल की सबसे खूबसूरत बात यह है कि यह समाज में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करती। इसके लिए न तो महंगे पेट्रोल-डीजल की जरूरत होती है और न ही किसी भारी-भरकम मेंटेनेंस या सर्विसिंग के खर्च की। यह आत्मनिर्भरता और बचत का सबसे पहला और सच्चा पाठ पढ़ाती है। आज जब ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्याएं पूरी दुनिया के लिए चुनौती बनी हुई हैं, तब साइकिल जमीन पर उतरकर इसका व्यावहारिक समाधान देती है। अगर किसी भी शहर का हर तीसरा व्यक्ति अपने छोटे-मोटे स्थानीय कामों के लिए गाड़ियों को छोड़कर साइकिल का इस्तेमाल करना शुरू कर दे, तो वायु प्रदूषण और ट्रैफिक की समस्या काफी हद तक हल हो सकती है।कई विकसित देशों ने इस बात को गहराई से समझा है और साइकिल को अपनी मुख्य जीवनशैली का हिस्सा बनाया है। वहाँ बड़े-बड़े अधिकारी और सजग नागरिक गर्व से साइकिल से दफ्तर जाते हैं। हमारे देश में भी अब धीरे-धीरे जागरूकता बढ़ रही है और शहरों में साइकिलिंग ग्रुप्स का चलन देखने को मिल रहा है। हालांकि, इस बदलाव को एक राष्ट्रव्यापी मुहिम बनाने के लिए हमें अपनी मानसिकता और बुनियादी ढांचे दोनों में सुधार करना होगा। आज भी हमारे शहरों की सड़कें सिर्फ बड़ी और तेज रफ्तार गाड़ियों के हिसाब से बनाई जाती हैं। साइकिल चालकों के लिए अलग सुरक्षित लेन न होने के कारण लोग सड़कों पर निकलने से कतराते हैं। सरकारों को शहरी नियोजन में साइकिल ट्रैक को प्राथमिकता देनी होगी।इसके साथ ही, समाज को इस संकुचित सोच से भी बाहर निकलना होगा कि साइकिल सिर्फ उन लोगों के लिए है जो गाड़ी नहीं खरीद सकते।

कहो तो कह दूं- घपलों की गंगा में तहसीलदारों ने भी हाथ धो लिए तो क्या गुनाह कर दिया...

चैतन्य भट्ट

एक खबर आई है प्रदेश की संस्कारधानी कहे जाने वाले जबलपुर से कि वर्ष 2023 और 2024 के सात नामांतरण निरस्त कर दिये गये क्योंकि इन आदेशों के पीछे तहसीलदार महोदय की मनमानी और लापरवाही पाई गयी है। बड़ी ही हैरानी की बात है कि राजस्व विभाग की फाइलों के समुद्र में कलेक्टर साब को डुबकी लगाने के बाद सिर्फ सात मोती मिले अगर वे ईमानदारी से जरा गहराई तक गोता लगायें तो उनके हाथ मोतियों का खजाना लग सकता है। वैसे तो जनता की याददाश्त बेहद कमजोर होती हैं फिर भी शायद लोगों को याद हो सकता है कि कुछ बरस पहले उस वक्त के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की थी कि 1 अप्रैल 2014 से नामांतरण की प्रक्रिया ऑनलाइन हो जायेगी और जैसे ही कोई जमीन मकान या कृषि भूमि का विक्रय होगा, भूमिस्वामी के पक्ष में उसी समय नामांतरण दर्शा दिया जायेगा। इधर पूरे प्रदेश की जनता के चेहरों पर खुशी छा गयी लेकिन तहसीलदारों के चेहरे उतर गये सुना जाता है कि तहसीलदारों ने सरकार से बड़ी मिन्नतें की कि उनके पेट पे लात न मारी जाये। अगर नामांतरण ही ऑटोमेटिक होने लगेगा तो वे क्या दफ्तर में मक्खियाँ मारेंगे? फिर उनके बीवी बच्चों का क्या होगा जिन्हें मुफ्त की मलाई खाने की बुरी आदत पड़ चुकी है। सरकार तो बहुत संवेदनशील होती है, उसने इन गरीब और बेचारगी से भरे आंसू बहाते तहसीलदारों की व्यथा सुनकर ऑटोमेटिक नामांतरण मामला ही खत्म कर दिया। मामा जी के प्रस्ताव की फाइल ऐसी गायब हुई कि उसका चर्चा होना ही बन्द हो गया। दरअसल सारे गड़बड़ घोटाले की शुरुआत शासन के एक पुराने तुगलकी आदेश से हुई जिसमें किसी भी प्रॉपर्टी के क्रय विक्रय के साथ उस प्रॉपर्टी का नामांतरण अनिवार्य कर दिया गया था। इसके पालन के लिये कोई मोहलत नहीं दी गई और इसे तत्काल लागू कर दिया गया। सरकार की मंशा ठीक थी लेकिन आदेश का तत्काल लागू किया जाना तहसीलदारों के लिये लॉटरी साबित हुआ। किसी के बाप दादों ने पचासों साल पहले जमीनें खरीदी थीं जिनके बेचने वाले और खरीदने वाले सब स्वर्ग सिधार चुके थे। पट्टे के अलावा कोई कागजात ही नहीं थे क्योंकि लोग यही सोचते थे कि तीन चार पीढ़ी से रह रहे हैं तो कागजों की क्या फ़िक्र। मगर जब बेचने की बारी आयी तो नामांतरण के लिये तहसीलदारों ने ऐसे ऐसे सबूत मांगे कि लोगों को चक्कर आने लगे यंहा तक की स्वर्ग में बैठे उनके पुरखे तक बेचैन हो गए बस, उसके बाद से पटवारियों और तहसीलदारों के दोनों हाथों में लड्डू आ गए नामांतरण के नाम पर लूट मच गयी। अब इस अफरा तफरी में बेचारे तहसीलदारों से थोड़ी बहुत गलती हो गयी तो क्या मुश्किल है। इतने बड़े देश में जब चारों तरफ घपले घोटाले हो रहे हैं फिर तहसीलदारों ने भी बहती गंगा में हाथ धो लिये तो ऐसा कौन सा पाप कर दिया अपना मानना तो ये है कि इस बेहद छोटी सी लापरवाही के लिये बेचारे तहसीलदारों पर कार्रवाई करना एकदम नाजायज़ है।

सारे ही डिप्टी सीएम बना दो: सुना है कि हाल ही में कर्नाटक में सिद्धारमैया जी की जगह डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बना दिया गया है बड़े कशमकश के बाद ये मामला सेटल हो पाया, कहा तो यह भी गया था कि दोनों को ढाई ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री बनाया जाएगा लेकिन सत्ता की कुर्सी में जो अदृश्य फेविकोल रहता है वह उसे बैठने वाला को इतना कस के जकड़ लेता है कि ना तो वो उठना चाहता है और ना ही वो फेविकोल उसे उस कुर्सी से उठने की इजाजत देता है । बेचारे शिवकुमार लगातार कांग्रेस की हाई कमान से गुजारिश कर रहे थे कि उनको भी तो मौका दिया जाए, खैर जब समय आता है तभी काम होता है सो उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा दिया गया, सिद्धारमैया जी को दिल्ली बुलाने की पूरी स्कीम कांग्रेस की बना ली थी कि उन्हें राज्यसभा भेज दिया जाएगा लेकिन वे भी पुराने खिलाड़ी हैं राजनीति के, तो इस स्कीम को फेल कर हाई कमान से साफ साफ कह दिया नहीं मैं तो यही रहूंगा यानी शिवकुमार जी को चैन से बैठने नहीं दूंगा । पता लगा है कि चार-चार उपमुख्यमंत्री कर्नाटक में बनाए जाने वाले हैं वैसे तो उपमुख्यमंत्री का कोई पद संवैधानिक रूप से होता नहीं है लेकिन राजनीति में लोगों को एडजस्ट करना भी तो बड़ा कठिन काम है जो मुख्यमंत्री के दौड़ में शामिल होता है और नहीं बन पाता उसको उपमुख्यमंत्री बना दिया जाता है अभी तक तो अपने को ये पता था कि जो ज्यादा दमदार होता है और मुख्यमंत्री को अलसेट देने में सक्षम होता है ।

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

इस वर्ष की थीम प्लास्टिक प्रदूषण का अंत (ठमंज च्सेंजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है।

ललित गर्ग

5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम प्लास्टिक प्रदूषण का अंत (ठमंज च्सेंजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है।

राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है।

पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।' आज यह कथन और अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंजूरियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है।

फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में युवाओं ने जलवायु संकट को गंभीर विषय माना है और सरकार से इस संबंध में शिक्षा एवं जनजागरण की अपेक्षा की है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि अपने भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस चेतना को सामाजिक और राजनीतिक शक्ति में बदलने की है। समाधान क्या है? सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, पूरक मानने की दृष्टि विकसित करनी होगी। ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान बनाना, वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देना और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। केवल सरकारी योजनाओं से यह कार्य संभव नहीं होगा, इसके लिए समाज, उद्योग, शिक्षा संस्थानों और नागरिकों की साझी भागीदारी चाहिए दूसरा, पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना होगा। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं, उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें। मतदाता अपने प्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी दृष्टि और प्रतिबद्धता के बारे में प्रश्न पूछें। जब जनता पर्यावरण को प्राथमिकता देगी, तब राजनीति भी उसकी ओर मुड़ेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना होगा। बच्चों और युवाओं को केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ जुड़ाव, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के व्यावहारिक संस्कार दिए जाने चाहिए। चैथा, हमें अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। अत्यधिक उपभोग, अपव्यय और सुविधावादी संस्कृति ने पर्यावरणीय संकट को बढ़ाया है। संयमित उपभोग, पुनर्चक्रण, स्थानीय संसाधनों का उपयोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली ही स्थायी समाधान दे सकती है। यह दृष्टि भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों में पहले से विद्यमान है।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैय यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। लेकिन यदि हम सजगता, वैज्ञानिक दृष्टि, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ें, तो संकट को अवसर में बदल सकते हैं। भारत के पास विश्व को नई दिशा देने की क्षमता है। प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व, अहिंसा, संयम और संतुलित विकास की भारतीय दृष्टि आज पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि पर्यावरण को विकास का विकल्प नहीं, विकास का आधार माना जाए। यही विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश है, यही भविष्य की सुरक्षा का मार्ग है और यही पृथ्वी के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी भी।

डिजिटल आक्रामकता के जाल में फंसा बचपन

हर साल 4 जून को पूरी दुनिया में आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। पुराने जमाने में जब इस दिन की चर्चा होती थी, तो बच्चों पर अत्याचार का सीधा सा मतलब लड़ाई-झगड़े, युद्ध, दंगे या फिर फैक्ट्रियों में होने वाली बाल-मजूदरी से लगाया जाता था। लेकिन आज के इस आधुनिक और डिजिटल युग में मासूमों के खिलाफ होने वाली हिंसा का पूरा चेहरा ही बदल चुका है। अब यह आक्रामकता सड़क पर शोर नहीं मचाती।

दिलीप कुमार पाठक

आजकल घरों में शाम के वक्त एक खामोश नजारा दिखाई देता है। पूरा परिवार एक ही कमरे में, एक ही सोफे पर साथ बैठा होता है, लेकिन आपस में कोई बातचीत नहीं होती। सब के सब चुपचाप अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में खोए रहते हैं। माता-पिता भी इस बात से बड़े खुश और बेफिक्र रहते हैं कि उनका बच्चा बाहर धूप या धूल-मिट्टी में नहीं घूम रहा है, बल्कि घर के अंदर आराम से सुरक्षित बैठा है। लेकिन क्या कभी हमने ठंडे दिमाग से बैठकर यह सोचने की कोशिश की है कि स्क्रीन में अपनी आंखें गड़ाए बैठा हमारा यह मासूम बच्चा अंदर ही अंदर किस मानसिक दौर से गुजर रहा है? कहीं उसके नन्हें दिमाग पर नकारात्मक असर तो नहीं हो रहा?

हर साल 4 जून को पूरी दुनिया में आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। पुराने जमाने में जब इस दिन की चर्चा होती थी, तो बच्चों पर अत्याचार का सीधा सा मतलब लड़ाई-झगड़े, युद्ध, दंगे या फिर फैक्ट्रियों में होने वाली बाल-मजूदरी से लगाया जाता था। लेकिन आज के इस आधुनिक और डिजिटल युग में मासूमों के खिलाफ होने वाली हिंसा का पूरा चेहरा ही बदल चुका है। अब यह आक्रामकता सड़क पर शोर नहीं मचाती। अब यह हिंसा बिना किसी आवाज के, इंटरनेट के महीन रास्तों से रेंगती हुई सीधे हमारे घरों के भीतर और हमारे बच्चों के दिमाग पर सीधा हमला कर रही है। ज़रा रुककर गंभीरता से सोचिए। आपका बच्चा आपके ठीक सामने बैठा हो सकता है, लेकिन मुमकिन है कि ठीक उसी वक्त उसका कोमल मन किसी बहुत गहरे तनाव या डर में

डूब रहा हो। ऑनलाइन गेम खेलते समय किसी अनजान शख्स द्वारा दी गई गंदी गालियां, सोशल मीडिया पर दोस्तों द्वारा उड़ाया गया उसका कोई भद्दा मजाक, या फिर इंटरनेट के समंदर में छिपे किसी अपराधी की गंदी नजर। यह डिजिटल आक्रामकता ऐसी होती है जो बाहर से शरीर पर दिखाई नहीं देती, इसलिए इसके ज़ख्म और भी ज्यादा गहरे होते हैं। यह अदृश्य हमला बच्चे के आत्मविश्वास को भीतर ही भीतर खोखला कर देता है। सबसे ज्यादा डरावना तो यह है कि इंटरनेट के इस गंदे खेल में कोई तीसरा देखने वाला गवाह नहीं होता, सिवाय उस एक सहमे हुए और अकेले पड़ चुके बच्चे के।

वैश्विक संस्था यूनिसेफ की एक हालिया रिपोर्ट साफ कहती है कि दुनिया में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला हर तीसरा इंसान असल में एक बच्चा है। और इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से एक बहुत बड़ी आबादी ऑनलाइन किसी न किसी रूप में मानसिक या भावनात्मक प्रताड़ना का शिकार होती है। हम अपनी व्यस्त जिंदगी में बच्चों को रोने से रोकने या उन्हें शांत बैठाने के लिए खिलौने की जगह मोबाइल थमा देते हैं। यह डिजिटल झुनझुना शुरू-शुरू में तो हमें बड़ी राहत देता है, लेकिन धीरे-धीरे यही मोबाइल बच्चे और माता-पिता के बीच बातचीत का रास्ता हमेशा के लिए बंद कर देता है। जब बच्चा इंटरनेट की किसी बड़ी मुसीबत या ब्लैकमेलिंग में फंसता है, तो वह लोक-लाज और डर के मारे अपने मम्मी-पापा को कुछ नहीं बता पाता। वह अंदर ही अंदर घुटता रहता है, उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और वह खुद को एक अंधेरे कमरे में बंद कर लेता है। अब वह समय आ गया है जब हमें इस बढ़ते हुए खतरे को गहराई से समझना होगा। यह कोई ऐसी सामाजिक समस्या नहीं है जो केवल पुलिस की मुस्तैदी या सरकार के कड़े कानून बना देने भर से ठीक हो जाएगी। इस बीमारी के इलाज की शुरुआत हमारे अपने घर के भीतर से ही होगी। बच्चों को महंगे स्मार्टफोन या गैजेट्स लाकर देने से कहीं ज्यादा जरूरी है उन्हें अपना कीमती वक्त देना। अपने बच्चों के बदलते हुए बर्ताव पर हमेशा नजर रखिए। अगर आपका हंसता-खेलता बच्चा अचानक गुमसुम रहने लगा है, बात-बात पर गुस्सा कर रहा है या आपसे अपना फोन छिपाने लगा है, तो उसे डांटने या मारने की गलती बिल्कुल मत कीजिए। उसके पास बैठिए, प्यार से हाथ थामिए, उससे खुलकर बातें कीजिए और उसे यह भरोसा दिलाइए कि दुनिया की चाहे जो भी मुसीबत हो, उसके मम्मी-पापा हमेशा उसके साथ खड़े हैं। इस देश के बचपन को सुरक्षित और सुंदर बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। आइए, इस डिजिटल दौर में अपने बच्चों के सबसे अच्छे और सच्चे दोस्त बनें। उनके हाथ से कुछ देर के लिए फोन छीनकर उन्हें पास के मैदान में खेलने के लिए भेजें, रात को सोने से पहले उनसे गप्पें मारें और उन्हें खुलकर हंसने का असली मौका दें। जब तक हम उनके लिए घर में एक सुरक्षित और भरोसेमंद माहौल नहीं बनाएंगे, तब तक स्क्रीन के पीछे का यह रोना कभी बंद नहीं होगा। हमारे देश का उज्ज्वल भविष्य मोबाइल की इस छोटी सी स्क्रीन में घुट-घुट कर जीने के लिए नहीं, बल्कि खुले आसमान के नीचे खुलकर जिंदगी जीने के लिए है।

(लेखक पत्रकार हैं)

नवा तरिया और आजीविका डबरी से मजबूत होगा जल संरक्षण का आधार

मनरेगा के तहत 40 से अधिक तालाब और 300 डबरी निर्माण कार्यों से हजारों ग्रामीणों को मिला रोजगार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन और ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत के समन्वय में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत जिलेभर में 40 से अधिक नवीन तालाब (नवा तरिया) तथा लगभग 300 आजीविका डबरी निर्माण कार्य स्वीकृत कराए गए हैं, जिन्हें जून 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है इन जल संरचनाओं के निर्माण से वर्षा जल का व्यापक स्तर पर संग्रहण संभव होगा जिससे भविष्य में जल संकट की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने में मदद मिलेगी। जिला प्रशासन का उद्देश्य केवल जल संरचनाओं का निर्माण करना नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल सुरक्षा और सतत विकास की मजबूत नींव तैयार करना है।

खेतों में बढ़ेगी सिंचाई, सुधरेगा भू-जल स्तर: नवा तरिया एवं डबरी निर्माण से वर्षा का पानी गांवों में ही संरक्षित होगा जिससे भू-जल स्तर में सुधार आएगा और सिंचाई के लिए अतिरिक्त जल स्रोत उपलब्ध होंगे। इसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा तथा फसल उत्पादन बढ़ने की संभावना भी मजबूत होगी। विशेष रूप से छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए आजीविका डबरी महत्वपूर्ण साबित होगी। किसान अपने खेतों में वर्षा जल का संग्रहण कर आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई कर सकेंगे, जिससे खेती अधिक लाभकारी और टिकाऊ बन सकेगी।

रोजगार के साथ बन रही स्थायी परिसंपत्तियां: मनरेगा के 'मोर गांव-मोर पानी' अभियान के अंतर्गत संचालित इन कार्यों से बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिल रहा है। प्रतिदिन हजारों श्रमिक निर्माण कार्यों में जुटे हुए हैं जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि हो रही है और पलायन की आवश्यकता भी कम हो रही है। जिला प्रशासन रोजगार मूलक कार्यों को जल संरक्षण से जोड़कर ऐसी स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण कर रहा है जिनका लाभ आने वाले वर्षों तक ग्रामीणों को मिलता रहेगा।

जलवायु चुनौतियों से निपटने में मिलेगी मदद: विशेषज्ञों के अनुसार तालाब, डबरी एवं अन्य जल संरक्षण संरचनाएं जलवायु परिवर्तन अनियमित वर्षा और बढ़ते जल संकट जैसी चुनौतियों से निपटने में अत्यंत प्रभावी होती हैं इनसे भू-जल पुनर्भरण बढ़ता है पर्यावरण संरक्षण को बल मिलता है और हरित विकास को प्रोत्साहन मिलता है जिला प्रशासन ने ग्राम पंचायतों एवं ग्रामीणों से अपील की है कि वे जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप दें तथा निर्मित जल संरचनाओं के संरक्षण और रखरखाव में सक्रिय भागीदारी निभाएं। प्रशासन का विश्वास है कि सामूहिक प्रयासों से जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जल संरक्षण एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नई मिसाल स्थापित करेगा।

संकट की घड़ी में बना प्रशासन सहारा : मृतक परिवार को 24 घंटे में 4.25 लाख की आर्थिक सहायता

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विकासखंड भरतपुर के ग्राम चरखर में मनरेगा योजना अंतर्गत बोल्डर चेकडैम निर्माण कार्य के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से हुई दुखद घटना के तुरंत बाद जिला प्रशासन ने त्वरित राहत और उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की मंगलवार 02 जून को हुई इस घटना में ग्राम निवासी सुशीला बाई और उनके पति गेन्दलाल सिंह की मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकि पांच श्रमिक घायल हुए घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन ने मृतक परिवार को प्राकृतिक आपदा प्रबंधन मद से 4 लाख रुपये और मनरेगा मद से 25 हजार रुपये की सहायता प्रदान की। इस प्रकार कुल 4.25 लाख रुपये मृतक परिवार को तत्काल उपलब्ध कराए गए बुधवार को कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े एवं जिला दंडाधिकारी घायलों से मुलाकात करने जनकपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। उन्होंने उपचाररत लक्ष्मी सिंह, मायावती सिंह, कलावती सिंह और रामबाई से हालचाल जाना और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गंभीर रूप से घायल सुभद्रा सिंह को बेहतर उपचार के लिए रेफर किया गया कलेक्टर ने खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमन सिंह को सभी घायलों को आवश्यक उपचार दवाइयां और चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं उनकी सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि संकट की इस घड़ी में जिला प्रशासन प्रभावित परिवार और घायलों के साथ खड़ा है और शासन की मंशा के अनुसार हर संभव मदद तत्काल उपलब्ध कराई जा रही है जला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई ने एक बार फिर संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन की कार्यशैली को प्रदर्शित किया।

स्वच्छता ही सेवा : जनजागरूकता और जनभागीदारी से स्वच्छता अभियान को मिल रही नई दिशा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने के उद्देश्य से लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं इसी क्रम में विकासखंड मनेन्द्रगढ़ की ग्राम पंचायत सिरियाखोह के स्वच्छता ग्राहियों ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देते हुए पुनर्चक्रण योग्य कचरे का संग्रहण एवं विक्रय किया तथा ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का सराहनीय कार्य किया स्वच्छता ग्राहियों द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन इकाई चनवारीडांड को 20 किलोग्राम रंगीन पन्नी, 14 किलोग्राम सफेद पन्नी एवं 14 किलोग्राम प्लास्टिक बोतल सहित कुल 48 किलोग्राम सूखा कचरा विक्रय किया गया। इसके साथ ही घर-घर जाकर ग्रामीणों को सड़क, नालियों एवं सार्वजनिक स्थलों पर कचरा नहीं फेंकने, घरों एवं आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने तथा कचरे का उचित प्रबंधन करने के लिए प्रेरित किया गया इस अभियान की सफलता में क्लस्टर समन्वयक प्रभा प्यासी का विशेष योगदान रहा। उनके अथक प्रयासों, सतत मार्गदर्शन एवं स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने की प्रतिबद्धता से ग्रामीणों में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने स्वच्छता ग्राहियों के साथ मिलकर लोगों को स्वच्छ वातावरण के महत्व से अवगत कराया तथा कचरा पृथक्करण और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की उपयोगिता समझाई अभियान के दौरान सरपंचों एवं सचिवों ने भी ग्रामीणों से गांव को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने, घरों से निकलने वाले कचरे को स्वच्छता ग्राहियों को सौंपने तथा सार्वजनिक स्थलों पर कचरा न फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज और बेहतर भविष्य की आधारशिला है। जिला प्रशासन ने जिले वासियों से आग्रह किया है कि वे अपने घर, मोहल्ले और गांव को स्वच्छ रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं। सड़क, नाली, तालाब एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने से बचें तथा स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें जनसहभागिता और जागरूकता से ही स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर जिले का सपना साकार किया जा सकता है। 'स्वच्छता अपनाएं, कचरा न फैलाएं और स्वच्छ एमसीबी के निर्माण में अपना योगदान दें' इसी संदेश के साथ जिले में स्वच्छता जागरूकता अभियान निरंतर जारी है।

नैनो उर्वरकों ने बदली किसान धन सिंह की खेती की तस्वीर कम लागत, बेहतर उत्पादन और बढ़ा आत्मविश्वास, अब अन्य किसानों के लिए बने प्रेरणा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खेती में सफलता केवल मेहनत से नहीं, बल्कि सही समय पर सही तकनीक अपनाने से भी मिलती है। विकासखंड मनेंद्रगढ़ के ग्राम हस्तिनापुर निवासी प्रगतिशील किसान धन सिंह इसकी जीवंत मिसाल हैं। आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाते हुए उन्होंने नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग किया, जिससे न केवल उनकी खेती की लागत कम हुई बल्कि फसल उत्पादन और गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला कुछ वर्ष पहले तक धन सिंह भी अन्य किसानों की तरह पारंपरिक उर्वरकों पर निर्भर थे। खेती के मौसम में खाद की उपलब्धता, परिवहन और बढ़ती लागत जैसी समस्याएं उन्हें भी परेशान करती थीं। कई बार खाद की बोरी खेत तक पहुंचाने में अतिरिक्त समय और धन खर्च होता था। ऐसे में कृषि विभाग की सलाह पर उन्होंने नैनो उर्वरकों का उपयोग शुरू किया।

धन सिंह बताते हैं कि शुरुआत में उन्हें नई तकनीक को लेकर कुछ संकोच था, लेकिन जब उन्होंने अपने खेत में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का प्रयोग किया तो परिणाम उम्मीद से बेहतर मिले। कम मात्रा में उपयोग के बावजूद फसलों को आवश्यक पोषण मिला पौधों की बढ़वार अच्छी हुई और उत्पादन में भी वृद्धि दर्ज की गई।

वे बताते हैं कि नैनो उर्वरकों की छोटी बोतलें आसानी से खेत तक पहुंचाई जा सकती हैं। इससे परिवहन की परेशानी कम हुई और लागत में भी बचत हुई। सबसे बड़ी बात यह रही कि फसलों की गुणवत्ता बेहतर होने से उन्हें आर्थिक लाभ भी अधिक मिला। अच्छी पैदावार ने उनके आत्मविश्वास को नई मजबूती दी है। आज धन सिंह अपने गांव और आसपास के किसानों को भी आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी दे रहे हैं। वे किसानों को बताते हैं कि बदलते समय के साथ खेती के तरीकों में भी बदलाव जरूरी है। नई तकनीकों को अपनाकर कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है और खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है।

धन सिंह का मानना है कि कृषि विभाग द्वारा किसानों को दी जा रही तकनीकी जानकारी और नवाचार आधारित कृषि पद्धतियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनकी सफलता यह दर्शाती है कि यदि किसान वैज्ञानिक सोच के साथ नई तकनीकों को अपनाएं तो खेती को अधिक समृद्ध और लाभकारी बनाया जा सकता है। आज धन सिंह की सफल खेती न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही है, बल्कि क्षेत्र के अन्य किसानों को भी आधुनिक और उन्नत कृषि की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही है।

विश्व साइकिल दिवस पर 7 जून को निकलेगी 'संडे ऑन साइकिल' रैली

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत स्वास्थ्य और फिटनेस का संदेश देंगे नागरिक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व साइकिल दिवस 2026 के अवसर पर फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत विशेष अभियान का आयोजन 07 जून 2026 रविवार को प्रातः 6 बजे से किया जाएगा जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य आमजन में फिटनेस स्वास्थ्य जागरूकता एवं नियमित शारीरिक गतिविधियों के प्रति सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना है साइकिल रैली का शुभारंभ स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, मनेन्द्रगढ़ परिसर से होगा। रैली निर्धारित मार्ग से होते हुए पीडब्ल्यूडी तिराहा भगत सिंह चौक, विवेकानंद चौक, साईं तिराहा एवं खेड़िया टॉकीज तक पहुंचेगी तथा पुनः पीडब्ल्यूडी तिराहा होते हुए स्वामी आत्मानंद विद्यालय परिसर में समाप्त होगी इस आयोजन में युवाओं, विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, सामाजिक संगठनों तथा आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण स्वस्थ जीवनशैली तथा साइकिलिंग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश भी दिया जाएगा आयोजन में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों एवं समूहों के लिए पंजीयन अनिवार्य किया गया है इच्छुक प्रतिभागी https-sÑ//fitindia.gov.in/worldbi-cycle-day पर ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने जिले वासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर फिट और स्वस्थ भारत के संकल्प को मजबूत बनाने की अपील की है।

नदी से नल तक का सफर : जल जीवन मिशन ने मोहनटोला में बदली जिंदगी की धारा

कभी पानी के लिए भटकते थे ग्रामीण, हर आंगन में पहुंच रहा शुद्ध पेयजल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सुबह होते ही सिर पर घड़ा और हाथ में बाल्टी लेकर पानी की तलाश में निकलना ग्राम मोहनटोला की महिलाओं की रोजमर्रा की मजबूरी हुआ करती थी कई बार नदी झरने और हैंडपंप तक पहुंचने में घंटों लग जाते थे गर्मी के दिनों में यह परेशानी और बढ़ जाती थी। लेकिन आज वही मोहनटोला जल जीवन मिशन की बदौलत बदलाव की नई कहानी लिख रहा है अब गांव के हर घर तक नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंच रहा है और ग्रामीणों की जिंदगी में सुख, सुविधा और सम्मान की नई धारा बह रही है। विकासखंड भरतपुर से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्थित मोहनटोला की आबादी 986 है। बड़काटोला बहेराटोला छोटकापारा महौरटोला और सुमनटोला सहित पांच बस्तियों वाले इस गांव में अधिकांश परिवार अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं वर्षों तक यहां के लोग पेयजल के लिए प्राकृतिक जल स्रोतों पर निर्भर रहे। पानी लाने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से महिलाओं और बच्चों के कंधों पर थी जिससे उनका समय और श्रम दोनों खर्च होते थे भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के तहत ग्राम मोहन टोला में एकल ग्राम जल प्रदाय योजना का सफल क्रियान्वयन किया गया योजना पूर्ण होने के बाद गांव के सभी 212 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया। अब प्रत्येक घर में पर्याप्त मात्रा में सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध है गांव की निवासी बब्बी बाई बताती हैं कि पहले पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी कई बार सुबह का अधिकांश समय केवल पानी लाने में ही निकल जाता था। अब घर में नल लग जाने से न केवल समय की बचत हो रही है बल्कि परिवार के सभी सदस्यों को स्वच्छ पानी भी मिल रहा है वे कहती हैं कि 'अब पानी की चिंता नहीं रहती बच्चों की पढ़ाई और घर के दूसरे कामों के लिए भी समय मिल जाता है।

पुलिस प्रशिक्षण शाला उज्जैन में 206 नव आरक्षकों का दीक्षांत समारोह संपन्न

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस प्रशिक्षण शाला (पीटीएस) उज्जैन में नव आरक्षक बुनियादी प्रशिक्षण के पांचवें सत्र का दीक्षांत समारोह गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ इस अवसर पर 206 नव आरक्षकों ने 313 दिवसीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कर मध्यप्रदेश पुलिस की मुख्यधारा में प्रवेश किया दसमारोह के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक उज्जैन जोन राकेश गुप्ता ने परेड की सलामी ली और प्रशिक्षुओं से परिचय प्राप्त किया उन्होंने नव आरक्षकों से अपेक्षा जताई कि वे अनुशासन समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के साथ सेवा में आने वाली चुनौतियों का सामना करेंगे ।

संवाद से संपूर्ण समाधान का सशक्त उदाहरण बना खोहरा का जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर

सुशासन तिहार 2026-639 से अधिक आवेदनों का हुआ निराकरण, हजारों ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायत खोहरा में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर जनसेवा सुशासन और संवेदनशील प्रशासन का प्रभावी उदाहरण बनकर सामने आया संवाद से संपूर्ण समाधान की थीम पर आयोजित शिविर में ग्राम पंचायत खोहरा कुदरा-पी, नेरुआ एवं बरौता सहित चार पंचायतों के हजारों ग्रामीणों ने भाग लेकर शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ प्राप्त किया शिविर में 639 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए जिनमें बड़ी संख्या में आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर हितग्राहियों को राहत प्रदान की गई शेष प्रकरणों को समयबद्ध निराकरण के लिए संबंधित विभागों को सौंपा गया कार्यक्रम में संभागीय आयुक्त नरेन्द्र दुग्गा, कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष सुखमंती सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष माया प्रताप सिंह, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष हीरालाल मौर्य, नगर पंचायत उपाध्यक्ष नीलेश मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य यशवती सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे शिविर में राजस्व कृषि स्वास्थ्य महिला एवं बा विकास समाज कल्याण वन खाद्य पशुपालन आयुष्मान भारत मनरेगा बिहान सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जहां ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया शिविर में पात्र हितग्राहियों को किसान किताब आयुष्मान कार्ड राशन कार्ड जॉब कार्ड मूंग बीज वॉकर छड़ी फलदार पौधे वन अधिकार ऋण पुस्तिका तथा आवास की चाबी वितरित की गई वहीं स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को 60 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया संभागीय आयुक्त नरेंद्र दुग्गा एवं जनप्रतिनिधियों ने राम साय को मुख्यमंत्री सियान सहायता योजना के अंतर्गत 20 हजार रुपये, राजकली सिंह को मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत 20 हजार रुपये तथा नेहा सिंह को मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत 45 हजार रुपये का चेक प्रदान किया शिविर में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर संभागीय आयुक्त, कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित ग्रामीणों को नशे से दूर रहने और समाज को नशा मुक्त बनाने की शपथ दिलाई।

मध्यप्रदेश पुलिस की संपत्ति अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई : 79 लाख से अधिक मूल्य की संपत्ति बरामद

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। प्रदेश में संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है विगत चार दिनों में विभिन्न जिलों एवं रेल पुलिस इकाइयों ने 79 लाख रुपये से अधिक मूल्य की चोरी और लूटी गई संपत्ति बरामद की तथा कई अंतर्राज्यीय अपराधियों को गिरफ्तार किया।

गुना और इंदौर में बड़ी सफलता: गुना पुलिस ने चोरी और स्नेचिंग के दो मामलों का खुलासा कर 18.5 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की। इंदौर में जैन मंदिर चोरी के मामले में 13.15 लाख रुपये मूल्य की मूर्तियां चांदी का कलश एवं वाहन जब्त हुएउ बैतूल सागर और खरगोन बैतूल में 9 लाख रुपये की लूट का खुलासा हुआ सागर में 8.57 लाख रुपये की चोरी की संपत्ति बरामद की गई खरगोन पुलिस ने अस्पताल से ऑक्सीजन पाइप एसी यूनिट और मेडिकल उपकरण सहित 7.8 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की सीहोर, विदिशा अशोकनगर और शिवपुरी विभिन्न मामलों में विद्युत तार, सोने-चांदी के आभूषण और नकदी जब्त कर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। रेल पुलिस ने अंतर्राज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार कर चलती ट्रेन में चोरी की 2.08 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की प्रदेशभर में मध्यप्रदेश पुलिस आधुनिक तकनीक, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र के माध्यम से अपराधियों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई कर रही है। इन सफलताओं से अपराधियों में भय पैदा हुआ है और आमजन में सुरक्षा एवं विश्वास मजबूत हुआ है।

विश्व पर्यावरण दिवस से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक विशेष अभियान चलेगा

कलेक्टर ने अभियान के सफल संचालन के सभी संबंधित अधिकारियों को दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2026 तक विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान के संचालन के संबंध में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वीसी के माध्यम से बैठक आयोजित कर सभी संभाग आयुक्त, कलेक्टर और जिला पंचायत के सीईओ को निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर बालागुरू के. जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव तथा वन मंडल अधिकारी अर्चना पटेल सहित संबंधित अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

कलेक्टर बालागुरू के. ने बैठक आयोजित कर जिले में 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस से 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 तक संचालित होने वाले विशेष जनकल्याणकारी अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित गतिविधियों का आयोजन करें। पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण एवं योग संबंधी कार्यक्रमों में जनभागीदारी बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को अभियान की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा प्रगति प्रतिवेदन समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान की जानकारी आमजन तक व्यापक रूप से पहुंचाई जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। सभी गतिविधियों का आयोजन निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता पूर्वक संपन्न करने के निर्देश भी दिए गए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान: कलेक्टर बालागुरू के. ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2026 को जिले के प्रत्येक विकास खण्ड नगरीय निकायों में एक पेड़ मां के नाम अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान में विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं सामाजिक संगठनों को जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम 21 जून 2026 तक चलेंगे। पौधरोपण अभियान में पीपल, आम, बरगद, नीम आदि के पौधरोपण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस कार्यक्रम का नोडल विभाग पर्यावरण विभाग रहेगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय विकास एवं आवास, वन, उद्यानिकी इस अभियान को क्रियान्वित करायेंगे।

तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का आयोजन: कलेक्टर बालागुरू के. ने बताया कि इस दौरान जनकल्याण शिविर 12 से 18 जून 2026 की अवधि में सीहोर जिले के प्रत्येक विकास खण्ड, नगरीय निकाय मुख्यालयों पर आयोजित होंगे जिनमें केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत छूटे हुए पात्र लाभार्थियों के पंजीकरण किए जायेंगे। शिविर 03 दिवसीय होगा। मैदानी अमले के सहयोग से लाभार्थियों को शिविर तक लाने का कार्य किया जायेगा। आयुष्मान भारत, आयुष्मान वय वंदना, पीएम सूर्य घर, पीएम स्वनिधि, लखपति दीदी एवं वीबी-जी-रामजी योजनाओं तथा विभिन्न विभागों की कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पंजीयन कराया जायेगा। सी.एम. हेल्प लाइन, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत अधिसूचित सेवाओं के आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा के अंतर्गत अभियान अवधि में शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया जायेगा। इन शिविरों में भारत सरकार एवं राज्य सरकार की विकास एवं प्रगति की प्रदर्शनी जनसम्पर्क विभाग के सहयोग से आयोजित की जायेगी।

स्वच्छता अभियान

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बताया कि स्वच्छता अभियान में प्लास्टिक अपशिष्ट की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। इस अभियान में ग्रामीण क्षेत्र के लिए ग्रामीण विकास विभाग तथा नगरीय क्षेत्र के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग नोडल विभाग रहेगा। शासकीय कार्यालय भवन, स्कूल भवन, छात्रावास भवन आदि में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। जल स्रोतों के आसपास सफाई एवं गहरीकरण आदि गतिविधियां की जाएंगी।

छतरपुर में अवैध कच्ची शराब का कारोबार

दलीपुर गांव में खुलेआम बन रही महुआ की शराब पीने से कई लोग बीमार

मीडिया ऑडीटर,छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के बमनौरा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम दलीपुर में अवैध कच्ची शराब का कारोबार बड़े पैमाने पर चल रहा है। गांव के आसपास कबूतरा समुदाय की कुछ महिलाओं द्वारा महुआ लहान से शराब तैयार कर खुलेआम बेची जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन और आबकारी विभाग की अनदेखी के कारण यह अवैध धंधा बेखौफ जारी है। ग्रामीणों के मुताबिक, अवैध रूप से तैयार की जा रही इस शराब में किसी भी प्रकार के तय मानकों का पालन नहीं हो रहा है। इससे शराब के जहरीले होने की पूरी आशंका है। स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि इस कच्ची शराब के सेवन से क्षेत्र में कुछ लोग बीमार भी पड़ चुके हैं, जिससे गांव में स्थिति गंभीर होती जा रही है।

बिना रोक-टोक चल रहा धंधा, प्रशासन मौन: यह अवैध कारोबार पिछले कई दिनों से बिना किसी रोक-टोक के चल रहा है। प्रशासन और जिम्मेदार विभागों द्वारा अब तक इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इस अनदेखी से ग्रामीणों में भारी नाराजगी है और गांव में अवैध शराब का दायरा लगातार फैलता जा रहा है।

मामले की जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग: ग्रामीणों ने आबकारी विभाग और जिला प्रशासन से मामले की तत्काल जांच करने की गुहार लगाई है। लोगों की मांग है कि अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर तुरंत सख्त रोक लगाई जाए। उनका कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो हालात और ज्यादा बिगड़ सकते हैं। हालांकि, फिलहाल इस पूरे मामले में संबंधित विभागों की ओर से कोई आधिकारिक बयान या कार्रवाई सामने नहीं आई है।

सीहोर में झमाझम बारिश, गर्मी से मिली राहत

तापमान 40 से गिरकर 22 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस की मार झेल रहे सीहोर वासियों के लिए आज सुबह की शुरुआत बेहद खुशनुमा रही। तड़के सुबह करीब 3 बजे से लेकर 6 बजे तक शहर और आसपास के इलाकों में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। इस दौरान रुक-रुक कर हुई तेज और मध्यम बारिश ने पूरे वातावरण को पूरी तरह बदल कर रख दिया। इस अचानक हुई बारिश से लोगों को पिछले कई दिनों से सता रही असहनीय गर्मी और चिपचिपी उमस से बड़ी राहत मिली है। सुबह की ठंडी हवाओं ने वातावरण में ऐसी ठंडक घोली कि लोग खुशनुमा मौसम का आनंद लेते नजर आए।

40 से सीधे 22 पर आया तापमान: मौसम में आए इस बड़े बदलाव का असर तापमान पर भी साफ देखने को मिला। पिछले 24 घंटों के दौरान जो तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ था, वह इस बारिश के बाद भारी गिरावट के साथ सीधे 22 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। तापमान में आई इस भारी गिरावट से शहरवासियों को झुलसाने वाली गर्मी से बड़ी निजात मिली है।

सड़कों पर भरा पानी, जनजीवन पर असर: सुबह-सुबह हुई इस झमाझम बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों और मुख्य सड़कों पर पानी जमा हो गया। अचानक जलभराव होने से सुबह काम पर निकलने वाले लोगों और वाहन चालकों को थोड़ी दिक्कतों का सामना जरूर करना पड़ा, लेकिन गर्मी से मिली राहत के आगे यह परेशानी छोटी नजर आई।

आगे कैसा रहेगा मौसम: मौसम विभाग के अनुसार, हवाओं के रुख और स्थानीय सिस्टम के सक्रिय होने के कारण मौसम में यह बदलाव आया है। विभाग ने संभावना जताई है कि अभी अगले कुछ दिनों तक मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा और गरज-चमक के साथ बौछारें गिरने का सिलसिला जारी रह सकता है। यानी सीहोर वासियों को फिलहाल गर्मी से राहत मिलती रहेगी।

रायसेन में 60 किमी/घंटा की रफ्तार से चली आंधी

मीडिया ऑडीटर,रायसेन, (निप्र)। रायसेन जिले में प्री-मानसून गतिविधियों के कारण मौसम लगातार बदल रहा है। बुधवार शाम को जिले के कई क्षेत्रों में 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चली। इसके साथ ही गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हुई, जो देर रात तक जारी रही।

गैरतगंज और सिलवानी में भी तेज बारिश और आंधी का असर देखा गया। बारिश के कारण कुछ सड़कों पर पानी भर गया। पिछले आठ दिनों से जिले में रात के समय रुक-रुककर आंधी-तूफान और बारिश हो रही है। नौतपा के चौथे दिन से मौसम ने करवट ली थी।

इस बदलाव का असर तापमान पर भी पड़ा है। दिन का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से घटकर 37 से 38 डिग्री पर आ गया है, वहीं रात का तापमान 31 डिग्री से गिरकर 24 से 25 डिग्री के बीच बना हुआ है। बारिश और ठंडी हवाओं से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। आसमान में बादल छाए रहने और ठंडी हवा चलने से मौसम सुहावना बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, मध्य प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून के 20 जून के बाद प्रवेश करने की संभावना है। इससे पहले प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियां सक्रिय हैं।

कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड ने मृदा परीक्षण अभियान तहत किसानों को मिट्टी परीक्षण की जानकारी दी

ग्राम ठर्र और पीपरहुंठा में मृदा परीक्षण अभियान का आयोजन किया गया

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड, विदिशा द्वारा मृदा परीक्षण अभियान आयोजित कर किसानों को मिट्टी परीक्षण की जानकारी प्रदान की गई है। कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको), द्वारा विदिशा के दो ग्राम ठर्र और पीपरहुंठा में मृदा परीक्षण अभियान का आयोजन किया गया। दोनों ग्रामों में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अलावा प्रगतिशील कृषक और अन्य किसान व ग्रामीण जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विकाश राणा (क्षेत्रीय प्रतिनिधि प्रशिक्षु), कृभको विदिशा द्वारा किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान करते हुए कृभको के स्वर्णिम इतिहास एवं कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि प्रत्येक दो वर्ष में खेत की मिट्टी का परीक्षण करवाना आवश्यक है, जिससे भूमि में उपलब्ध पोषक तत्वों की स्थिति की सही जानकारी प्राप्त हो सके तथा आवश्यकतानुसार संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग किया जा सके। उन्होंने किसानों को मिट्टी का नमूना लेने की सही विधि, मृदा परीक्षण से होने वाले लाभ, तथा कृभको द्वारा संचालित निःशुल्क मृदा परीक्षण सेवा के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान किसानों को उर्वरकों के उचित एवं संतुलित उपयोग, तरल जैव उर्वरकों के महत्व तथा लाभदायक फफूंद माइकोराइजा के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही किसानों को भूमि में घटते ऑर्गेनिक कार्बन के स्तर के प्रति जागरूक करते हुए सिटी कम्पोस्ट, गोबर खाद तथा अन्य कार्बनिक उत्पादों के उपयोग की सलाह दी गई। साथ ही किसानों को नवीन ई-टोकन प्रणाली की जानकारी भी प्रदान की गई।

कलेक्टर विश्वकर्मा ने की राजस्व प्रकरणों तथा सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण की समीक्षा

पौधरोपण अभियान तथा जनकल्याण शिविरों के आयोजन हेतु दिए दिशा-निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा प्रतिदिन वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से राजस्व प्रकरणों, सीएम हेल्पलाईन, पेयजल सहित अन्य कार्यो की समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में गुरूवार को कलेक्टर विश्वकर्मा द्वारा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में तहसीलवार राजस्व प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रकरणों में अंतिम निराकरण कर आदेश पारित किए जाएं। साथ ही आदेश का पालन कराते हुए राजस्व रिकार्ड में अपडेट कराने के भी निर्देश दिए। इसी प्रकार सीएम हेल्पलाईन शिकायतों और लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों को भी समयावधि के पहले निराकृत कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर विश्वकर्मा ने अधिकारियों से संबल योजना के पंजीयन प्रकरणों के निराकरण की निकाय और जनपदवार जानकारी लेते हुए शीघ्रता से निराकरण कराने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार पीएम श्रमयोगी मानधन योजना में अभी तक हुए पंजीयन की जानकारी लेते हुए कहा कि जिले में 6 हजार पंजीयन का लक्ष्य है जिसके विरूद्ध अभी बेहद कम पंजीयन हुए हैं। सभी सीएमओ तथा संबंधित अधिकारियों को अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही एसडीएम को मॉनीटरिंग हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने धारणाधिकार के प्रकरणों, ई-विकास टोकन प्रणाली, पेयजल वितरण की भी समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर विश्वकर्मा ने 05 जून से शुरू हो रहे पौधरोपण अभियान तथा जनकल्याण शिविरों के आयोजन के संबंध में भी सभी एसडीएम और अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

दमोह में अवैध शराब ले जा रही कार पलटी

हादसे के बाद गाड़ी छोड़ भाग गया ड्राइवर, 21 पेटी शराब जब्त

मीडिया ऑडीटर, दमोह, (निप्र)। दमोह जिले के बटियागढ़ थाना क्षेत्र में अवैध शराब ले जा रही एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई। यह घटना बुधवार रात फुटेरा चौकी क्षेत्र में हुई। हादसे के बाद कार चालक और उसका साथी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मौके से 21 पेटी अवैध शराब जब्त की है।

भगवती मानव कल्याण संगठन की सूचना पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने बलेनो कार (क्रमांक MP 20 ZB 2224) से 21 पेटी अवैध शराब बरामद की। इसके साथ ही एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

गुरुवार दोपहर बटियागढ़ थाना प्रभारी रजनी शुक्ला ने मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि यह अवैध शराब दमोह की ओर ले जाई जा रही थी। पुलिस अब इस बात की जानकारी जुटा रही है कि शराब का परिवहन किस दुकान से किया जा रहा था। भगवती मानव कल्याण संगठन के बटियागढ़ ब्लॉक अध्यक्ष दशरथ सिंह लोधी ने बताया कि बटियागढ़ क्षेत्र में अवैध शराब की तस्करी लगातार जारी है। संगठन की सूचना पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। उन्होंने यह भी बताया कि संगठन के कार्यकर्ताओं ने पहले भी खड़ेरी, बटियागढ़ और फुटेरा में अवैध शराब पकड़ी है।

बिजली कंपनी द्वारा शिविर लगाकर किया गया बिजली संबंधी समस्याओं का निराकरण

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। महाप्रबंधक पूनम तुमराम ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं के साथ सीधा संवाद कर उन्हें त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराना और उनकी शिकायतों का त्वरित निराकरण करना है। विद्युत वितरण केन्द्रवार बनाए गये कलस्टरों पर शिविर लगाए जा रहे हैं। शिविरों में बिजली उपभोक्ताओं की बिल, मीटर, सर्विस केबल, कनेक्शन एवं तकनीकी सेवाओं संबंधी शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 03 जून को ग्राम खंडवा, चरनाल, सोनकछ, सोंठी में शिविर लगाकर नागरिकों की बिजली संबंधी शिकायतों का निराकरण किया गया।

आगामी तिथियों में इन स्थानों पर लगेंगे शिविर : अभियान के अंतर्गत 04 जून को सीहोर संभाग अंतर्गत ग्राम पिपलिया मीरा, रोला, सेवनिया, थूनाकलॉ, सीहोर शहर वार्ड नं 24, वार्ड नं 09 एवं आष्टा संभाग अंतर्गत भेरुपूर, बिलपान, श्यामपूरा मगरदा में शिविर लगाए जाएंगे।

12.5 किलो गांजा, बाइक समेत 3 तस्कर गिरफ्तार

खरगोन से सप्लाई कर खंडवा में बेच रहा था गांजा, दो लोकल पेडलर भी पकड़े गए

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। खंडवा में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने साढ़े 12 किलों गांजा के साथ 3 तस्करों को गिरफ्तार किया हैं। आरोपियों के कब्जे से 80 हजार रुपए का गांजा सहित एक बाइक जब्त की गई हैं।

टीआई प्रवीण आर्य के अनुसार, 2 जून को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति बमनगांव रोड क्षेत्र में गांजा बेचने के लिए आया हुआ है।

सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर दबिश दी और संदिग्ध व्यक्ति को पकड़कर तलाशी ली।

पूछताछ में आरोपी की पहचान सदाशिव सिसोदिया निवासी सोलाना, तहसील गोगावां, जिला खरगोन के रूप में हुई। उसके कब्जे से 9 किलो 990 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ की।

पूछताछ में सामने आया कि वह खंडवा शहर में कुछ लोगों को गांजे की सप्लाई करता था। इसके बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर शहर के दो और पेडलरों को गिरफ्तार किया।

दो स्थानीय पेडलरों से भी मिला गांजा: पुलिस ने शुभम महेश्कर (30) निवासी घासपुरा, गंज बाजार के कब्जे से 1 किलो 35 ग्राम गांजा और शिवा महेश्कर (22) निवासी घासपुरा, गंज बाजार के पास से 1 किलो 25 ग्राम गांजा जब्त किया। तीनों आरोपियों के कब्जे से कुल 12 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद हुआ। साथ ही गांजे की तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक अपाचे मोटरसाइकिल भी जब्त की गई।

आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड: पुलिस जांच में पता चला है कि मुख्य आरोपी सदाशिव सिसोदिया के खिलाफ गोगावां थाने में मारपीट और अवैध वसूली का मामला दर्ज है।

वहीं शुभम महेश्कर कोतवाली थाना क्षेत्र का सूचीबद्ध गुंडा-बदमाश है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के दो, आबकारी एक्ट का एक और मारपीट के तीन प्रकरण पहले से दर्ज हैं।

न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया: पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें रिमांड पर लिया गया हैं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि गांजे की सप्लाई का नेटवर्क किन-किन जिलों तक फैला हुआ है और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।

रतलाम में पहली बार होगा पोरवाल प्रीमियर लीग

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। समाज में खेल भावना, आपसी एकता एवं युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से जांगड़ा पोरवाल समाज द्वारा जांगड़ा पोरवाल प्रीमियर लीग (JPPL)-सीजन 1 का आयोजन पहली बार रतलाम में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का चयन आईपीएल की तर्ज पर ऑक्शन (नीलामी) के माध्यम से किया जाएगा। टूर्नामेंट की तैयारियों को लेकर समाजजनों की बैठक आयोजित की गई। प्रतियोगिता की रूपरेखा, नियमावली एवं आयोजन संबंधी विषयों पर चर्चा हुई। टूर्नामेंट 12, 13 एवं 14 जून को स्टिंच टर्फ, कनेरी रोड, रतलाम पर किया जाएगा। टूर्नामेंट में पहली बार पुरुष, महिला व बच्चें तीनो एक साथ शामिल होंगे।

15 मैच होंगे: आयोजन समिति के राकेश पोरवाल ने बताया प्रतियोगिता में कुल 8 टीमें, 72 खिलाड़ी एवं 15 रोमांचक मैच खेले जाएंगे।

बीसीसीआई बैठक में होगा सूर्यकुमार की कप्तानी पर फैसला

वैभव को शामिल करने पर भी होगा विचार

मुम्बई एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समित की बैठक इस शनिवार को होने जा रही है। इसमें अजित अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति कप्तान सूर्यकुमार यादव के भविष्य को लेकर फैसला करेंगी। इस बैठक में तय होगा कि सूर्या आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैचों के अलावा इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 मैचों में कप्तान रहेंगे या नहीं। इसके अलावा इसी बैठक में सितंबर में जापान में होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीमों का चयन किया जाएगा। इस बैठम में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को टी20 टीम में शामिल किये जाने पर भी बात होगी।

जहां तक सूर्यकुमार की कप्तानी की बात है। पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। आईपीएल में भी वह रनों के लिए जूझते दिखे। ये सही है कि उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप जीतकर उसे बरकरार रखा पर इसमें उनका योगदान बेहद कम रहा। सूर्यकुमार की कमजोर बल्लेबाजी लगातार निशाने पर रही। का आईपीएल 2026 में, उन्होंने 13 पारियों में केवल 270 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 20.76 और स्ट्राइक रेट 147.54 का रहा है। वहीं टी20 विश्व कप में वह नौ पारियों में 242 रन बना पाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट गिरकर 136.72 तक पहुंच गया। सूर्यकुमार का नाम एशियन गेम्स के लिए घोषित 30 संभावित नामों में भी शामिल नहीं हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या चयनकर्ता आने वाली कुछ सीरीज के लिए किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी का मौका देंगे, या सूर्यकुमार को अनुभव के लिए केवल एक खिलाड़ी के तौर पर टीम में बनाए रखा जाएगा, खासकर जब उन्होंने 2028 ओलंपिक में खेलने की इच्छा जताई है।

दूसरी ओर, 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपने पहले पूरे आईपीएल सत्र में अपनी बल्लेबाजी से सबको प्रभावित किया है। वैभव की क्वालीफायर मुकाबलों में खेली गयी पारी से भी चयनकर्ता काफी प्रभावित हुए हैं। अब देखना होगा कि उन्हें अंतिम ग्यारह में कैसे शामिल किया जाए क्योंकि अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और ईशान किशन अच्छे प्रदर्शन के कारण पहले से ही टीम में शामिल हैं!

वहीं मध्यक्रम में जगह बनाने के लिए, श्रेयस अय्यर और रजत पाटीदार दोनों ही मजबूत दावेदार हैं। पिछले दो आईपीएल सीजन में दोनों ने अपनी टीमों की शानदार कप्तानी की है। पाटीदार ने इस सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जिताया है जबकि श्रेयस ने 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाया था। दोनों ही खिलाड़ियों की शानदार प्रदर्शन को देखते हुए, चयनकर्ताओं के लिए ये फैसला करना कठिन होगा कि मध्य क्रम में किसे जगह दी जाए, और संभव है कि केवल एक ही खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जाए।

इस बीच, चयनकर्ताओं को वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी सीरीज और एशियन गेम्स के लिए टीम चयन को लेकर भी विचार करना होगा। यह एक बड़ा सवाल है कि क्या एशियन गेम्स के लिए भारत अपनी पहली पसंद की टीम भेजेगा या युवा खिलाड़ियों को अवसर देगा। साथ ही इंग्लैंड दौरे के लिए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मौका मिलेगा या नहीं, यह भी देखने वाली बात होगी।

फीफा विश्वकप में खेलते नजर आयेंगे भारतीय मूल के ये चार फुटबॉलर

कोलकाता एजेंसी। 11 जून से अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में शुरु हो रही फीफा विश्कपकप फुटबॉल को लेकर दुनिया भर की तरह ही भारत में भी फुटबॉल प्रशंसक उत्साहित हैं। देश में इसके प्रसारण को लेकर गतिरोध समाप्त होने से भी फुटबॉल प्रशंसक टीवी पर मैच देखने को लेकर उत्साहित हैं। इस बार विश्वकप में भारतीय मूल के चार खिलाड़ी भी खेलते नजर आयेंगे। ये सभी अलग-अलग देशों की ओर से उतर रहे हैं। भारतीय प्रशंसक भी इन सभी को खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे हैं।

इस बार कुल 48 टीमें विश्व कप में हिस्सा ले रही हैं। विश्वकप में खेलने वाले भारतीय मूल के ये फुटबॉलर हैं

तहसीन जमशीद : 19 वर्षीय विंगर तहसीन जमशीद, जिनका जन्म दोहा में हुआ, लेकिन उनकी जड़ें केरल के कन्नूर जिले से जुड़ी हैं। उनके माता-पिता मलयाली हैं वह कतर टीम से खेल रहे हैं। तहसीन को कतर की प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है, और केरल के प्रशंसको को पूरी उम्मीद है कि वह अंतिम टीम में भी जगह बना पाएंगे। तहसीन के पिता भी पूर्व फुटबॉलर रह चुके हैं और उन्होंने कतर के लिए अंडर-17 और अंडर-19 स्तर पर खेला है।

सरप्रीत सिंह : न्यूजीलैंड के लिए खेलने वाले सरप्रीत सिंह पर भी सबकी निगाहें होंगी। 27 वर्षीय सरप्रीत एक अटैकिंग मिडफील्डर हैं, जिनके परिवार का संबंध पंजाब के जालंधर से है। वह 2018 से न्यूजीलैंड की सीनियर टीम के लिए खेल रहे हैं और अब तक तीन महत्वपूर्ण गोल दाग चुके हैं।

सैमुअल मुतुसामी : कांगो की टीम में तमिल मूल के खिलाड़ी सैमुअल मुतुसामी को जगह मिली है। 29 वर्षीय यह डिफेंसिव मिडफील्डर पेरिस में जन्मे हैं, उनकी मां कांगो की हैं जबकि पिता तमिल मूल के इंडो-गुआराडेलूपियन हैं। सैमुअल ने 2019 में कांगो के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था।

निशान वेलुपिल्ले : इस सूची में चौथा नाम निशान वेलुपिल्ले का है, जो ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हैं। एक विंगर के रूप में खेलने वाले निशान के पिता तमिलनाडु से जुड़े एक मलेशियाई नागरिक हैं, जबकि उनकी मां एंग्लो-इंडियन हैं। यह बात भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए और भी खास है क्योंकि 2006 के बाद यह पहला विश्व कप होगा, जिसमें कोई भारतीय मूल का खिलाड़ी दिखाई देगा।

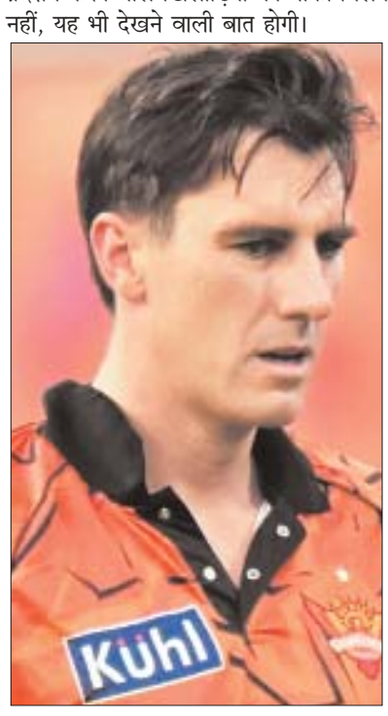

एकदिवसीय विश्वकप और एशेज को देखते हुए अगले साल कमिंस का आईपीएल खेलना संदिग्ध

सिडनी एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि वह अगले साल व्यस्त क्रिकेट कार्यक्रम को देखते हुए शायद ही आईपीएल खेलें। कमिंस के अनुसार उनकी पहली प्राथमिकता ऑस्ट्रेलियाई टीम से खेलना है। ऐसे में साल 2027 में एकदिवसीय विश्वकप कप और एशेज सीरीज को देखते हुए वह आईपीएल से दूरी बना सकते हैं। कमिंस के अनुसार वह टेस्ट मैच और एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए उनकी लिए फिटनेस बनाये रखना जरुरी है। ऐसे में वह कार्यभार प्रबंधन को सबसे ज्यादा जरुरी मानने है। वहीं आईपीएल में खेलने से थकान ओर चोटिल होने का खतरा बना रहता है। कमिंस अभी अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले घरेलू टेस्ट मैच से पहले अपनी फिटनेस पर ध्यान दे रहे हैं। इसके बाद, अगले एक साल में 21 टेस्ट मैचों की सीरीज होगी, जिसमें आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में क्वालीफाई करने का अवसर भी रहेगा। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम को दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड के खिलाफ खेलना हैं। ऑस्ट्रेलिया का यह व्यस्त कार्यक्रम 2027 में एकदिवसीय विश्व कप के साथ समाप्त होगा। वहीं मार्च में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 150वीं वर्षगांठ का टेस्ट मैच भी होगा। इसी बीच आईपीएल भी पड़ेगा। इसके बाद इंग्लैंड में एशेज सीरीज खेली जाएगी। कमिंस ऑस्ट्रेलिया के लिए सीरीज को जीतना चाहते हैं। इसका कारण है कि टीम ने साल 2001 के बाद से ही कोई सीरीज नहीं जीती है। कमिंस ने कहा कि फिटनेस बनाये रखने के लिए न किसी स्तर पर कुछ न कुछ छोड़ना ही पड़ेगा और वह टेस्ट मैच या एकदिवसीय विश्व कप तो नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, मैं समय आने पर ही फैसला लूंगा और आईपीएल फ्रेंचाइजी के साथ मिलकर देखूंगा कि क्या सही रहेगा। हालात बदल सकते हैं। मुझे कुछ चोटें भी लगी हैं, इसलिए मैं अभी कुछ भी पक्का नहीं कह चाहता। हालांकि उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता हमेशा से ही टेस्ट मैच और एकदिवसय विश्व कप ही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के खिलाफ घर से दूर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के बाद उन्हें बेहद कठिन एशेज सीरीज से पहले आराम की जरूरत पड़ सकती है।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में फ्लाप रहीं मंधाना

तीन मैचों में केवल 40 रन बना पायीं

टांटन एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में भी असफल रहीं और 9 गेंदों में 8 रन ही बना पायी।

स्मृति मंधाना के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड, पहली बार हुआ ऐसा हाल

इसी के साथ ही मंधाना के नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगी। इस सीरीज में वह केवल 40 रन ही बना पायीं। यह इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज में मंधाना का अब तक का सबसे कम स्कोर है। इस पूरी सीरीज में मंधाना का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। पहले मुकाबले में वह खाता भी नहीं खोल पायीं। दूसरे टी20 में उन्होंने 32 रन जबकि तीसरे और अंतिम मैच में 8 रन बनाये। ये इंग्लैंड के खिलाफ किसी भी तीन टी20 मैचों की सीरीज में उनका अब तक का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले उनका इंग्लैंड के खिलाफ न्यूनतम सीरीज स्कोर 57 रन था, जो उन्होंने 2021 में बनाया था।

अंतिम टी20 में मंधाना ऑफ स्पिनर चार्ली डीन का शिकार बनीं। इस विकेट के साथ ही ऑफ स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ मंधाना की कमजोरी एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। चार्ली डीन के खिलाफ टी20 मैचों में मंधाना का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। उन्होंने डीन के खिलाफ अब तक 59 गेंदें खेली हैं, जिनमें केवल 49 रन बनाए हैं और दो बार अपना विकेट खोया है।

टी20 विश्व कप में भारतीय टीम जीतेगी खिताब : अंजुम चोपड़ा

अहमदाबाद एजेंसी। पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आगामी टी20 विश्व कप में खिताब की प्रबल दावेदार बताया है। विश्वकप 12 जून से इंग्लैंड में शुरु होने जा रहा है। अंजुम के अनुसार भारतीय टीम इंग्लैंड के हालातों से परिचित है और ऐसे में उसके लिए वहां खेलना और जीत हासिल करना कठिन नहीं होंगा। एकदिवसीय विश्वप में भारतीय टीम ने जीत हासिल कर अपने को साबित किया था। अब वह एक बार फिर ऐसा ही करेगी। भारतीय टीम 14 जून को बर्मिंघम में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

चोपड़ा ने कहा कि टीम की अधिकतर खिलाड़ी पहले भी इंग्लैंड में खेली हैं, जिससे उन्हें वहां के हालातों का अच्छा अनुभव है। उन्होंने नंदिनी शर्मा और चरणी जैसे खिलाड़ियों का विशेष उल्लेख किया, जिनमें से चरणी अपने छोटे से करियर में ही दूसरी बार इंग्लैंड का दौरा कर रही हैं। पूर्व कप्तान को भरोस है कि भारतीय टीम शीर्ष चार में जगह बनाने के साथ ही शीर्ष दो में भी पहुंचकर खिताब जीतेगी।

टूर्नामेंट से पहले विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया के फिट होने से भी टीम मजबूत हुई है। बाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने वापसी करते ही इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 40 गेंद में 54 रन बनाए थे।

अंजुम का मानना है कि भारतीय टीम प्रबंधन को अपनी बल्लेबाजी लाइन-अप में अधिक लचीलापन अपनाने की आवश्यकता हो सकती है। उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छा है कि यास्तिका रन बना रही है, लेकिन दूसरे मैच में वह लंबी पारी खेलने से रह गयी। इससे यह भी पता चलता है कि यह केवल जेमिमा रोड्रिग्यूज, हरमनप्रीत कौर और यास्तिका भाटिकया के बीच संतुलन बनाने की बात नहीं है। भारतीय टीम को विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड के साथ एक कठिन ग्रुप में रखा गया है, जिसमें से केवल शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें ही सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। चोपड़ा ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान अभी अच्छी क्रिकेट खेल रहा है और नीदरलैंड की टीम का प्रदर्शन अनिश्चित है इसलिए टीम को सतर्क रहना होगा।

44 की उम्र में क्वींस क्लब टेनिस टूर्नामेंट से वापसी कर रही सेरेना

न्यूजर्सी एजेंसी। अमेरिकी की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स 44 साल की उम्र में एक बार फिर टेनिस कोर्ट में वापसी करने जा रही हैं। सेरेन ने अपनी अंतिम टूर्नामेंट चार साल पहले 2022 में खेला था यूएस ओपन 2022 में अपना आखिरी पेशेवर एकल मैच खेलने के बाद से ही सेरेना खेल से दूर हैं हालांकि उन्होंने अधिकारिक रुप से संन्यास की घोषणा नहीं की थी और कहा था कि वह बेहतर होने के लिए खेल से दूर हुई है। वहीं अब सेरेना ने 8 जून से लंदन में होने वाले क्वींस क्लब टेनिस टूर्नामेंट में खेलने की घोषणा की है। ये विंबलडन के लिए अभ्यास टूर्नामेंट माना जाता है। सेरेना की वापसी की घोषणा के बाद से ही उनके प्रशंसकों में खुशी की लहर है। सेरेना के नाम ओपन युग में महिला एकल में रिकॉर्ड 23 ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। सेरेने ने अमेरिकी ओपन 2022 को अपना अंतिम टूर्नामेंट बताया था, यह कहते हुए कि वह खेल से दूर एक नए अध्याय की शुरुआत करना चाहती हैं। हालांकि, उन्होंने संन्यास की घोषणा नहीं की थी जिससे उनकी वापसी की अटकलें हमेशा बनी रहीं। सेरेना अमेरिकी ओपन में तब तीसरे दौर में हार गई थीं हालांकि अब वह एक बार फिर कोर्ट पर वापसी के लिए तैयार हैं जो उनके भविष्य को लेकर जारी अटकलों पर विराम लग गया है।

क्वींस क्लब में अपनी वापसी की घोषणा करते हुए, विलियम्स ने कहा, क्वींस क्लब इस नए अध्याय की शुरुआत के लिए एकदम सही जगह लगती है। घास के कोर्ट ने मुझे मेरे करियर के कुछ सबसे यादगार पल दिए हैं, और मैं खेल के सबसे प्रतिष्ठित मंचों में से एक पर वापस प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्साहित हूं। क्वींस क्लब नामी ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट है जो 8 से 21 जून तक चलेगा।

क्रिकेट के बदलते स्वरूप के अनुसार ढलना होगा: सचिन

मुम्बई एजेंसी। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने युवा खिलाड़ियों से कहा है कि उन्हें आगे बढ़ना है तो खेल के बदलते स्वरुप के हिसाब से ढ़लना होगा। तेंदुलकर के अनुसार आज हर प्रारुप बदलता जा रहा है ऐसे में खिलाड़ियों को अपने अंदाज में भी बदलाव लाना होगा तभी वे टीम को जीत दिला सकेंगे। तेंदुलकर ने कहा कि आधुनिक खेल में नियम और प्रारुप तेजी से बदल रहा है और जो खिलाड़ी इससे अनुसार ढ़ल जाएगा। वही लंबे समय तक खेल सकता है। इसलिए ज़रूरी है कि उभरते खिलाड़ी इसके लिए तैयार रहें

अन्होंने कहा , एक बल्लेबाज के लिए सभी प्रारुपों में ढलने के लिए जो सबसे महत्वपूर्ण चीज है वह है बैकलिफ्टहै। उन्होंने साथ ही कहा कि जो इसपर नियंत्रित करना सीख जाता है, वह सभी प्रारुपों में सफल हो सकता है। इसका कारण है कि टेस्ट क्रिकेट में कई चीजों की परीक्षा होती है। ऐसे में हालात के अनुकूल ढ़लना होता है। टी20 में आक्रामक खेल की जरुरत होती है। वहीं एकदिवसीय इन दोनों के बीच का प्रारुप है। सचिन ने कहा इन हालातों में मेरा मानना है जो खिलाड़ी का सम्मान करता है और उसी के अनुसार बल्लेबाजी करता है। वह उस खिलाड़ी से कहीं बेहतर है जो अधिक प्रतिभाशाली होने केक बाद भी हालात को मानने को तैयार नहीं होता और अपने अनुसार खेलता है। सचिन ने यह भी कहा कि टेस्ट क्रिकेट में एक खिलाड़ी को गेंद को रक्षात्मक रुप से खेलना आना चाहिये। जब तक वे फ्रंट फुट पर अच्छी गति के खिलाफ सही तरीके से बचाव करते रहेंगे, वे किसी भी स्तर पर, खासकर टेस्ट क्रिकेट में सफल होंगे।

नॉर्वे शतरंज : प्रज्ञानंदा नें कार्लसन को फिर दी मात, 19 साल बाद एक खिलाड़ी से दो बाजियाँ हारे कार्लसन

ओस्लो , नॉर्वे एजेंसी। नॉर्वे शतरंज 2026 में आठवे राउंड में एक बार फिर भारत के प्रज्ञानन्दा नें शानदार खेल दिखाया उन्होंने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन को पराजित कर दिया करीब दो दशक में यह पहला मौका है जब कार्लसन किसी एक खिलाड़ी से एक ही प्रतियोगिता में दो बाजियाँ हारे है इससे पहले लीनारेस 2005 में वह भारत के उस समय के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद से दो बाजियाँ हारे थे , इस जीत से प्रज्ञानन्दा 12 अंकों के साथ सीधे तीसरे स्थान पर पहुँच गए है और आने वाले दो राउंड उन्हें विजेता भी बना सकते है , वहीं वर्तमान विश्व चैंपियनशिप डी गुकेश को एक बार फिर ड्रा चल रहे मुक़ाबले में फ्रांस के अलीरेजा फ़िरोज़ा से हार का सामना करना पड़ा है अलीरेजा अब 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि टाईब्रेक में जर्मनी के विंसेंट केमर को मात देकर यूएसए के वेस्ली सो 14 अंकों के साथ पहले स्थान पर चल रहे है ।

किसान देवलाल उसेंडी ने उन्नत खेती से रची सफलता की नई इबारत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के सरकारी प्रयास अब जमीन पर रंग लाने लगे हैं। इसका एक जीवंत और प्रेरणादायक उदाहरण सुदूर ग्रामीण अंचल से सामने आया है, जहाँ सहकारी समितियों (लैम्प्स) के सहयोग और एक किसान के कड़े परिश्रम ने मिलकर कामयाबी की नई गाथा लिख दी है। नारायणपुर जिले के ग्राम केरलापाल निवासी किसान देवलाल उसेंडी की यह सफलता की कहानी आज प्रदेश के लाखों अन्नदाताओं के लिए एक नई राह दिखा रही है।'चुनौतियों से घिरी थी आजीविका की राह' देवलाल उसेंडी के जीवन और आजीविका का मुख्य आधार कृषि ही है, लेकिन कुछ समय पहले तक उनकी राह इतनी आसान नहीं थी। परंपरागत खेती करते हुए उन्हें हर सीजन में दोहरी मार झेलनी पड़ती थी। एक तरफ समय पर गुणवत्तापूर्ण उन्नत बीज नहीं मिल पाता था, तो दूसरी तरफ खाद के लिए भटकना पड़ता था। मजबूरी में उन्हें निजी दुकानों से ऊंचे दामों पर कृषि सामग्री खरीदनी पड़ती थी, जिससे खेती की लागत लगातार बढ़ रही थी। इतनी लागत लगाने के बाद भी घटिया बीज और असंतुलित खाद के कारण फसल का उत्पादन उम्मीद के मुताबिक नहीं हो पाता था, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति हमेशा चिंता का विषय बनी रहती थी।'लैम्प्स ने बदली तकदीर, मिला समय पर संबल' देवलाल के जीवन में निर्णायक मोड़ तब आया, जब उन्हें पता चला कि क्षेत्रीय प्राथमिक साख सहकारी समिति (लैम्प्स) के माध्यम से किसानों को बेहद रियायती दरों पर उच्च गुणवत्ता वाले खाद, उन्नत बीज और अन्य जरूरी कृषि आदान उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बिना देर किए देवलाल ने लैम्प्स समिति से संपर्क किया, जरूरी कागजी प्रक्रिया पूरी की और अपनी जरूरत के अनुसार उन्नत बीज व खाद प्राप्त किया। समय पर और सही दाम में मिले इन संसाधनों ने देवलाल की खेती को

एक नई और वैज्ञानिक दिशा दी।

देवलाल उसेंडी ने कहा कि पहले खाद-बीज के लिए भटकना पड़ता था और जेब भी ढीली होती थी। जब से लैम्प्स से नाता जुड़ा है, खेती आसान हो गई है। अब सही समय पर, सही दाम में अच्छी और गुणवत्तापूर्ण कृषि सामग्री मिल जाती हैं।'वैज्ञानिक सूझबूझ और आधुनिक तकनीक का संगम' देवलाल ने संसाधन मिलने के बाद कृषि विभाग के मैदानी अधिकारियों के सुझावों को अपनाया। उन्होंने केवल बीज नहीं बोए, बल्कि उन्नत और प्रमाणित बीजों की किस्मों का सही चुनाव किया। अनुशंसित मात्रा में खाद का संतुलित प्रयोग किया। फसल की नियमित निगरानी की और आधुनिक कृषि तकनीकों को मैदानी स्तर पर लागू किया। इसका सकारात्मक असर जल्द ही खेतों में लहलहाती फसल के रूप में दिखने लगा। फसल की शानदार वृद्धि और उत्कृष्ट गुणवत्ता ने यह साफ कर दिया था कि इस बार का उत्पादन पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ने वाला है।' आर्थिक मजबूती और परिवार में खुशहाली' कटाई के बाद जब फसल बाजार पहुंची, तो बेहतर गुणवत्ता के कारण देवलाल को उपज के बेहतरीन दाम मिले। इससे उन्हें पूर्व वर्षों की तुलना में बम्पर मुनाफा और अतिरिक्त आय प्राप्त हुई। इस बढ़ी हुई कमाई से न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई, बल्कि उन्होंने इस पैसे का निवेश खेती को और आधुनिक बनाने के लिए नए उपकरणों की खरीदी में किया। साथ ही परिवार की अन्य जरूरतों को भी अब वे बिना किसी कर्ज के आसानी से पूरा कर पा रहे हैं।

संघर्ष से मुस्कान तक~ समय पर मिली खाद-बीज सहायता से बदली किसान श्री रोमन लाल की जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र) छत्तीसगढ़ सरकार की किसान-केंद्रित योजनाएं और मजबूत सहकारी व्यवस्था प्रदेश के किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। इसका एक प्रेरक उदाहरण मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के ग्राम पोंड़ीडीह निवासी किसान रोमन लाल हैं, जिनके लिए समय पर उपलब्ध कराई गई खाद और बीज ने न केवल खेती की चिंता दूर की, बल्कि उनके परिवार के बेहतर भविष्य की उम्मीदों को भी नया संबल दिया है। करीब 0.300 हेक्टेयर कृषि भूमि पर खेती करने वाले रोमन लाल सीमित संसाधनों के बावजूद अपने परिवार का भरण-पोषण खेती से करते हैं। हर वर्ष खरीफ सीजन शुरू होने से पहले खाद और बीज की व्यवस्था उनके लिए बड़ी चुनौती बन जाती थी आर्थिक तंगी के कारण उन्हें कभी महंगे दामों पर कृषि सामग्री खरीदनी पड़ती थी तो कभी उधार का सहारा लेना पड़ता था इससे खेती की लागत बढ़ने के साथ मानसिक तनाव भी बढ़ जाता था। इस खरीफ सीजन में आदिम जाति सेवा सहकारी समिति, खड़गवां के माध्यम से उन्हें समय पर यूरिया,

डीएपी, पोटाश और प्रमाणित धान बीज उपलब्ध कराए गए। आवश्यक कृषि सामग्री समय पर मिलने से उनकी खेती की तैयारियां सुचारु रूप से पूरी हो सकीं और बुआई को लेकर बनी अनिश्चितता समाप्त हो गई। रोमन लाल बताते हैं कि पहले खेती शुरू होने से पहले खाद-बीज की व्यवस्था सबसे बड़ी चिंता होती थी, लेकिन इस बार समय पर मिली सहायता से उन्हें राहत मिली है। अब वे पूरी ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ खेतों में काम कर रहे हैं और अच्छी फसल की उम्मीद कर रहे हैं। और सीमांत किसानों के लिए ऐसी सुविधाएं किसी संबल से कम नहीं हैं। समय पर मिलने वाली कृषि सामग्री किसानों को आर्थिक चिंताओं से मुक्त कर खेती पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करने का अवसर देती है।

सुशासन तिहार बना बुजुर्गों का सहारा 74 वर्षीय कोटवार को मिला श्रवण यंत्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुशासन तिहार 2026 के तहत आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण और जरूरतमंदों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में लगातार सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत पीढ़ा निवासी 74 वर्षीय कोटवार जानकी को श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) प्रदान किया गया, जिससे उन्हें सुनने में होने वाली परेशानी से राहत मिली है।

जानकी ने सुशासन तिहार के दौरान श्रवण संबंधी समस्या के समाधान हेतु आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदन प्राप्त होते ही जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उन्हें श्रवण यंत्र उपलब्ध कराया गया। इससे अब उन्हें दैनिक गतिविधियों के संचालन और लोगों से संवाद स्थापित करने में काफी सुविधा होगी।

श्रवण यंत्र प्राप्त करने के बाद जानकी ने शासन और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से सुनने में कठिनाई होने के कारण उन्हें अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था, लेकिन अब उनकी परेशानी काफी हद तक दूर हो गई है।

सुशासन तिहार के माध्यम से प्रदेशभर में प्राप्त आवेदनों के त्वरित और प्रभावी निराकरण से लोगों का शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है। यह अभियान जरूरतमंदों तक समयबद्ध सहायता पहुंचाने और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

बिहान से मिली रत्ना के सपनों को उड़ान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मेहनत, नवाचार और आत्मविश्वास से सब कुछ हासिल किया जा सकता इसकी मिसाल पेश की है बस्तर जिले के तोकापाल विकासखंड के छोटे से ग्राम टिकरा धनोरा की रत्ना ठाकुर ने। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़कर लखपति दीदी बनी रत्ना न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हुई, बल्कि क्षेत्र की अनेक महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन गई हैं।'बस्तर सहित अन्य जिलों में भी दाने की कर रहीं सप्लाई' रत्ना ठाकुर ने बताया कि वह पिछले तीन वर्षों से इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर के माध्यम से मुर्गीपालन के लिए दाना तैयार कर रही हैं। उनके द्वारा निर्मित दाने की मांग स्थानीय कुक्कुटपालकों के अलावा दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिलों तक

है। इससे उन्हें नियमित आय प्राप्त हो रही है। रत्ना ने बताया कि दाना निर्माण के साथ-साथ वह ब्रूडिंग चूजों का पालन-पोषण कर उन्हें बड़ा करती हैं और बाद में होटल एवं ढाबों में उनकी आपूर्ति करती हैं। इस व्यवसाय ने उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है।'मल्चिंग विधि से साग-सब्जियों की खेती से मिली अतिरिक्त आय' रत्ना ने कृषि क्षेत्र में भी उन्होंने आधुनिक तकनीकों को अपनाया है। करीब दो एकड़ भूमि पर मल्चिंग विधि से साग-सब्जियों की खेती कर वह हर माह 15 से 20 हजार रुपये तक कीह अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। खेती और पशुपालन आधारित इन गतिविधियों ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाया है।अपनी कमाई से बनवा रहीं पक्का मकान' रत्ना बताती हैं कि माता-पिता की इकलौती संतान होने के कारण वह अपने माता-पिता के साथ रहती हैं। उनके पति पदमलाल ठाकुर भी हर कार्य में उनका पूरा सहयोग करते हैं। परिवार के सामूहिक प्रयास और आयमूलक गतिविधियों से होने वाली कमाई के बल पर उन्होंने एक स्कूटी खरीदी है और वर्तमान में चार कमरों का पक्का मकान भी बनवा रही हैं।

एक मोटर बदली, कई चेहरों पर लौटी मुस्कान भाटपारा में फिर बहा उम्मीदों का जल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जंगलों और पहाड़ियों के बीच बसे सूरजपुर जिले के दूरस्थ भाटपारा गांव में रहने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति पंडो समुदाय के परिवारों के लिए पानी सिर्फ एक सुविधा नहीं, बल्कि रोजमर्रा के जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब गांव में स्थापित सोलर पावर पंप की मोटर अचानक खराब हो गई, तो लोगों की चिंता बढ़ गई। गर्मी के दिनों में पेयजल की व्यवस्था प्रभावित होने से ग्रामीणों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

लेकिन इस बार उनकी परेशानी लंबी नहीं चली। जैसे ही प्रशासन और संबंधित विभाग को समस्या की जानकारी मिली, तत्काल कार्रवाई शुरू की गई। खराब मोटर को निकालकर नया मोटर पंप स्थापित किया गया और कुछ ही समय में गांव में फिर से पानी की धार बहने लगी।जब नल से पानी निकलना शुरू हुआ तो ग्रामीणों के चेहरों पर राहत साफ दिखाई दी। महिलाओं को दूर-दूर तक पानी की चिंता नहीं रही और बुजुर्गों ने भी संतोष की सांस ली। ग्रामीणों ने कहा कि प्रशासन की तत्परता ने उन्हें यह भरोसा दिलाया है कि दूरस्थ क्षेत्रों की समस्याएं भी अब प्राथमिकता से सुनी और सुलझाई जा रही हैं।

इस दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने यह भी सुनिश्चित किया कि किसी प्रकार की असुविधा न हो। गांव के पास स्थित हैंडपंप से लगातार पानी की उपलब्धता बनी रही, जिससे लोगों को पेयजल के लिए भटकना नहीं पड़ा।भाटपारा की यह छोटी-सी घटना एक बड़े संदेश को सामने लाती हैकृविकास केवल योजनाएं बनाने से नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई से लोगों के जीवन में बदलाव लाने से होता है। दूरस्थ वनांचल में रहने वाले परिवारों तक मूलभूत सुविधाएं समय पर पहुंचाना ही सुशासन की वास्तविक पहचान है।

बलरामपुर जिले में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। और पेट्रोल पंपों पर आपूर्ति सामान्य नागरिकों को नहीं हो रही कोई परेशानीरायपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज जिला में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। फ्यूल-गैस जैसी कोई इमरजेंसी नहीं है। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि जिले में निर्बाध रूप से इंधन की आपूर्ति हो रही है, किसी भी नागरिक को कोई परेशानी नहीं हो रही है। जिले में किसी भी प्रकार की ईंधन या गैस की किल्लत नहीं है तथा उपभोक्ताओं को नियमित रूप से आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।संचालित सभी गैस एजेंसियों के पास घरेलू एवं व्यावसायिक एलपीजी गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उपभोक्ताओं को नियमानुसार

रायपुर में विकसित होगा विश्वस्तरीय हॉस्पिटैलिटी एवं वेलनेस सेंटर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा राजधानी रायपुर स्थित क्वींस क्लब ऑफ इंडिया के विकास, संचालन एवं रख-रखाव के लिए लाइसेंस आधार पर पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल के तहत एजेंसी नियुक्त करने की महत्वपूर्ण परियोजना प्रस्तावित की गई है। यह पहल रायपुर को एक आधुनिक एवं प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी तथा वेलनेस डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगी।परियोजना के तहत क्लब परिसर में स्क्वैश कोर्ट, टेनिस कोर्ट, जिम, स्विमिंग पूल, बैडमिंटन हॉल, बिलियर्ड रूम तथा टेबल टेनिस हॉल जैसी आधुनिक खेल एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं विकसित एवं संचालित की जाएंगी। साथ ही वर्तमान अधोसंरचना का व्यापक

आधुनिकीकरण एवं नवीनीकरण भी किया जाएगा वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि यह परियोजना रायपुर को एक नए प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी हब के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे राज्य में निजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा गुणवत्तापूर्ण शहरी अधोसंरचना विकास को नई गति प्राप्त होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्वींस क्लब ऑफ इंडिया की विशेष आवास योजना के अंतर्गत सांसद एवं विधायक वर्ग के 108 सदस्यों की विशेष सदस्यता पूर्ववत जारी रहेगी।

नैनो यूरिया और डीएपी से बदली किसान पंकज राजवाड़े की किस्मतअन्य किसानों से की नवाचार अपनाने की अपील

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।आधुनिक कृषि तकनीकों और उन्नत उर्वरकों के प्रयोग से किसान अब न केवल अपनी खेती की लागत कम कर रहे हैं, बल्कि मुनाफा भी कमा रहे हैं। नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग कृषि में उत्पादन लागत को कम करके और फसल की पैदावार बढ़ाकर आय में सीधा इजाफा करता है। पारंपरिक खादों (जैसे यूरिया और डीएपी) की तुलना में ये नैनो उर्वरक प्रति एकड़ 100 रूपए से लेकर 250 रूपए तक की सीधी बचत कराते हैं, साथ ही उपज में लगभग 10 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत जगदीशपुर के प्रगतिशील किसान पंकज राजवाड़े हैं, जिन्होंने नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के सफल इस्तेमाल से अपनी किसानी को एक नई और लाभदायक दिशा दी है।दो वर्षों से कर रहे हैं सफल प्रयोग पंकज राजवाड़े पिछले दो वर्षों से अपने खेतों में पारंपरिक भारी-भरकम खादों की बोरियों के बजाय नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का निरंतर उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन तरल नैनो उर्वरकों के उपयोग से फसलों में बेहद शानदार और सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही है कि इससे खेती की शुरुआती लागत में भारी कमी आई है और पैदावार बेहतर होने से मुनाफा भी तेजी से बढ़ रहा है। पारंपरिक खादों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति घटती हैए वहीं नैनो उत्पाद पर्यावरण के अनुकूल होते हैं और लंबे समय तक जमीन को स्वस्थ रखते हैं हर फसल के लिए उपयोगी और छिड़काव में आसान प्रगतिशील किसान पंकज ने बताया कि नैनो उर्वरकों का प्रयोग केवल एक-दो नहीं बल्कि लगभग

सभी प्रकार की फसलों में किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि आलू, टमाटर, बैंगन, लहसुन, प्याज सहित विभिन्न व्यावसायिक फसलों एवं सभी प्रकार की सब्जियों में इसका प्रभावी उपयोग किया जा सकता है। पारंपरिक उर्वरकों की तुलना में इसकी लागत कम होने से खर्च में कमी आती है, वहीं ढुलाई और भंडारण भी अधिक सुविधाजनक हो जाता है। तरल स्वरूप में उपलब्ध होने के कारण इसे पानी में घोलकर पत्तियों पर आसानी से स्प्रे किया जाता है। पौधों को पोषक तत्व सीधे प्राप्त होने से फसलों की उत्पादकता और गुणवत्ता में वृद्धि होती है, जिससे खेती में अधिक लाभ प्राप्त होता है। किसान भाइयों से की मार्मिक अपील अपनी इस सफलता से उत्साहित होकर और खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के उद्देश्य से, पंकज राजवाड़े ने क्षेत्र के अन्य किसान भाईयों से अपील की है। उन्होंने कहा मैं सभी किसान भाईयों से निवेदन करता हूँ कि वे समय के साथ बदलें और नैनो यूरिया तथा नैनो डीएपी का अपने खेतों में उपयोग करें। इसका बहुत ही बेहतरीन रिजल्ट है। आप सभी इसका लाभ उठाएं और अपनी खेती को उन्नत बनाएं। उन्होंने कहा कि नैनो उर्वरकों की 500 मिलीलीटर की बोतल पारंपरिक खाद की एक बोरी का विकल्प होती है। इसके प्रयोग से उर्वरक खरीदने के साथ.साथ ढुलाई और भंडारण का खर्च भी कम हो जाता है।

'नशा मुक्त भारत अभियान अंतरराष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस पर बोखी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जशपुर जिले के ग्राम पंचायत बोखी में अंतरराष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस के अवसर पर जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं एवं ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना था।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता रही। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं

सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। साथ ही सभी प्रतिभागियों को नशामुक्त जीवन अपनाने तथा समाज को नशे से मुक्त बनाने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति संबंधी नारों एवं जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। जशपुर लोक संगीत अकादमी द्वारा लोकगीत, नागपुरी नृत्य एवं नुक्कड़ नाटक की प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से नशामुक्त जीवनशैली के महत्व को रेखांकित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित लोगों को न केवल मनोरंजन प्रदान किया बल्कि सामाजिक संदेश भी प्रभावी ढंग से पहुंचाया। इस अवसर पर युवाओं महिलाओं एवं विद्यार्थियों ने तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करने तथा अपने परिवार एवं समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। प्रतिभागियों को सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान निषेध तथा तंबाकू उत्पादों की बिक्री एवं उपयोग से संबंधित कानूनी प्रावधानों की भी जानकारी दी गई कार्यक्रम के सफल आयोजन में समाज कल्याण विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उप संचालक समाज कल्याण धर्मेन्द्र कुमार साहू सहित विभागीय अधिकारियों ने अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है उन्होंने सभी नागरिकों से स्वस्थ जागरूक एवं जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने की अपील की।

06 जून से 09 जून तक होगा राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2025 का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा-2025 की लिखित परीक्षा की समय-सारिणी घोषित कर दी गई है। आयोग द्वारा जारी सूचना के अनुसार परीक्षा का आयोजन 06 जून से 09 जून 2026 तक निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में किया जाएगा। परीक्षा दो पालियों में प्रातः 9.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक तथा दोपहर 2.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक संपन्न होगी। जारी कार्यक्रम के अनुसार 06 जून 2026 को भाषा एवं निबंध, 07 जून को सामान्य अध्ययन-द्व एवं 08 जून को सामान्य अध्ययन-एवं द्वड्ड तथा 09 जून को सामान्य अध्ययन-ड्ड की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2025 सरगुजा (अंबिकापुर), बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर (जगदलपुर) एवं रायपुर के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। आयोग ने सभी अभ्यर्थियों से निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि प्रवेश पत्र दिनांक 25 मई 2026 को अभ्यर्थियों को जारी कर दिया गया है। अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट22w.psc.cg.gov.in से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। आयोग कार्यालय द्वारा किसी भी अभ्यर्थी को पृथक से प्रवेश पत्र अथवा प्रवेश पत्र जारी किए जाने संबंधी कोई सूचना या स्व्ब व्यक्तिशः नहीं भेजा जाएगा।

गिधौरी के स्थानीय पेट्रोल पंप में सामान्य रूप से हो रहा है पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के कसडोल विकासखंड अंतर्गत ग्राम गिधौरी स्थित स्थानीय पेट्रोल पंप में सामान्य रूप से डीजल की आपूर्ति हो रही है। टैंकर अनलोडिंग के दौरान कुछ घंटों के लिए वाहनों की कतार लगी थी वर्तमान में पेट्रोल पंप पर पेट्रोल एवं डीजल का वितरण पूरी तरह सामान्य रूप से संचालित हो रहा है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिला से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय पेट्रोल पंप के प्रबंधक से जानकारी ली गई। उन्होंने बताया कि 22 मई 2026 को ईंधन टैंकर के अनलोडिंग कार्य के दौरान कुछ घंटों के लिए वितरण प्रभावित हुआ था, जिसके कारण पेट्रोल पंप पर वाहनों की कतार लग गई थी। हालांकि टैंकर से ईंधन उतारने की प्रक्रिया पूर्ण होते ही वितरण कार्य पुनः प्रारंभ कर दिया गया और कुछ ही घंटों में सभी उपभोक्ताओं को उनकी आवश्यकता के अनुसार पेट्रोल एवं डीजल उपलब्ध करा दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में लक्ष्मी पेट्रोलियम सहित क्षेत्र के अन्य पेट्रोल पंपों पर भी पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है तथा मांग के अनुरूप नियमित आपूर्ति की जा रही है। किसी प्रकार की कमी अथवा संकट की स्थिति नहीं है। एक जून को खाद्य निरीक्षक द्वारा स्थानीय पेट्रोल पंप गिधौरी का स्थल निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि पेट्रोल पंप पर पेट्रोल एवं डीजल का वितरण सुचारू रूप से जारी है तथा उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। पंप प्रबंधन और कर्मचारियों द्वारा सामान्य रूप से ईंधन वितरण किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति नियमित एवं पर्याप्त है।

साय सरकार की बड़ी राहतः

महिलाओं के नाम संपत्ति रजिस्ट्री में 70 प्रतिशत भारी वृद्धि

बलौदाबाजार जिले में दिखने लगा असर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाए गए कदमों के जमीन पर सकारात्मक परिणाम दिखने लगे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर महिलाओं के नाम होने वाली भूमि व संपत्ति की रजिस्ट्री (पंजीयन) शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट देने और 12 प्रतिशत उपकर (Cess) को पूरी तरह समाप्त करने के निर्णय से बड़ा बदलाव आया है। शासन की इस बड़ी रियायत के चलते बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में महिलाओं के नाम पर संपत्ति खरीदने और पंजीयन कराने की होड़ सी मच गई है। आंकड़ों के मुताबिक, ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ी है।

में 70 प्रतिशत की भारी वृद्धि जिला पंजीयक कार्यालय से प्राप्त आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, यह छूट लागू होने के बाद मात्र एक महीने के भीतर महिलाओं के पक्ष में होने वाली रजिस्ट्रियों में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। अप्रैल 2026 जिले के पांचों उप पंजीयक कार्यालयों में महिलाओं के नाम पर कुल 309 दस्तावेज पंजीकृत हुए थे।

मई 2026 यह संख्या बढ़कर 445 पहुंच गई, जो अप्रैल की तुलना में लगभग 70 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी को दर्शाती है। ब्लॉकवार आंकड़ों पर एक नजर (अप्रैल बनाम मई 2026) रजिस्ट्री शुल्क में कटौती का लाभ उठाने में जिले के सभी क्षेत्र आगे रहे हैं जिनमें शहरी इलाकों का

प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा। उप पंजीयक कार्यालय केवल बलौदाबाजार में अप्रैल 2026 में 78 और मई 2026 में बढ़कर 119 हो गया। इसी प्रकार पलारी में अप्रैल 2026 में 40 दस्तावेज बढ़कर मई 2026 में 56, सिमगा में 56 से बढ़कर 99, कसडोल में 24से बढ़कर 50 तथा भाटापारा में 111 से बढ़कर 121 दस्तावेज हो गए। यह वृद्धि दर्शाती है कि महिलाओं को दी गई पंजीयन शुल्क छूट का लाभ बड़ी संख्या में परिवार उठा रहे हैं।

शहरी क्षेत्र बलौदाबाजार और भाटपारा के आकड़ों में अधिक वृद्धि देखी गई है। जिला पंजीयक विनोद कोचे ने बताया कि राज्य शासन की इस नीति का सीधा और त्वरित लाभ महिलाओं को मिल रहा है। संपत्ति खरीद की लागत काफी कम हो जाने से अब परिवार स्वेच्छा से महिलाओं के नाम पर जमीन और मकान पंजीकृत कराने के लिए प्रोत्साहित हो रहे हैं। इससे महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। आर्थिक राहत मिली है, वहीं दूसरी तरफ रजिस्ट्री की संख्या बढ़ने से शासन के राजस्व में भी वृद्धि हो रही है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा